राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उतरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 09 मार्च 2025 वर्ष-8,अंक-20 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चार साल में पांच करीबियों की मौतें, फिर डिप्रेशन.....
लेकिन आठ साल बाद राष्ट्रपति बनी द्रौपदी मुर्मू

महिला दिवस के मौके पर उनकी हिम्मत को सलाम

नई दिल्ली ।

साल 1983, घने जंगलों के बीच बसे आदिवासी गांव की एक महिला सिंचाई विभाग में क्लर्क थीं और उनके पति निजी बैंक में जॉब करते थे। दोनों की नौकरी अलग-अलग राज्यों में थी। इसकारण नौकरी के साथ-साथ 3 साल की बेटी की देखभाल करना महिला के लिए परेशानी भरा काम था। इसी बीच एक रोज निमोनिया से बेटी की जान चली गई। इसके बाद ससुराल वाले महिला पर लगातार नौकरी छोड़ने का दबाव बना रहे थे। ससुरालवालों के दबाव में आकर आखिरकार महिला ने सरकारी नौकरी छोड़कर पति के साथ रहने लगी। 27 साल बाद यानी 25 अक्टूबर 2010 की बात है। उस महिला का बड़ा बेटा रात को पार्टी से लौटा, सुबह उसकी तबीयत बिगड़ गई। अस्पताल पहुंचते-पहुंचते बेटे ने दम तोड़ दिया। करीब ढाई साल बाद जनवरी 2013 में महिला का छोटा बेटा भी सड़क हादसे में गुजर गया। कुछ महीने बाद महिला के मां और भाई भी मौत हो गई। 19 महीने बाद यानी अगस्त 2014 में महिला के पति की मौत हो गई। चार साल के भीतर पांच मौतें होने से महिला डिप्रेशन में चली गईं, लेकिन आठ साल बाद यानी 25 जुलाई 2022 को वहीं महिला भारत के सबसे ऊंचे पद पर पहुंचीं। उस बुलंद हौसले वाली महिला कोई और नहीं हमारी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू है।

ओडिशा के मयूरभंज जिले के रायरंगपुर से करीब 25 किलोमीटर दूर गांव है उपरबेड़ा है। घने जंगलों के बीच बसे गांव की आबादी करीब 3 हजार होगी। 1958 की बात है। उपरबेड़ा और आसपास के इलाकों में मानसून ने दस्तक दे दी थी, लेकिन वहां कई दिनों से बारिश नहीं हो रही थी। संथाली परंपरा के मुताबिक बारिश के लिए बिरंची नारायण ने घर के पिछवाड़े बरगद के पेड़ के नीचे एक मिट्टी का बर्तन रखा। लोग उसे पुति कहते हैं। पुति रखने के ठीक एक हफ्ते बाद 20 जून 1958 को बिरंची टुडू को एक बेटी हुई। संयोग से बच्ची के जन्म के बाद इलाके में बारिश भी होने लगी। एक साथ बिरंची को दोहरी खुशी मिली। उन्होंने बेटी का नाम रखा पुति।

एक इंटरव्यू में राष्ट्रपति मुर्मू बताती हैं कि संथाली परिवार में बेटी का नाम दादी के नाम पर रखा जाता है, ताकि दादी के मरने पर भी उनका नाम जिंदा रहे। इसलिए मेरा एक नाम दुर्गी भी था, लेकिन ये नाम मेरे शिक्षक को पसंद नहीं था, तब उन्होंने मेरा नाम द्रौपदी रख दिया।'

पहला कॉलम

महिला सम्मान समारोह में लगे 2025 फिर से नीतीश कुमार के नारे

पटना ।

पटना जेडीयू ऑफिस में महिला दिवस पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ। महिला सम्मान समारोह में बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार भी पहुंचे। सीएम ने कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं को बधाई दी। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने 2025 फिर से नीतीश कुमार के नारे लगाए। मुख्यमंत्री ने कहा, हमारी सरकार ने महिलाओं को हमेशा से आगे बढ़ाया है। पहले जो नेता थे, उन्होंने कुछ नहीं किया। हम लोगों ने महिलाओं के लिए बहुत कुछ किया है। आज प्रदेश की महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। इस दौरान संबोधन के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा को अपने पास बुलाया। मुख्यमंत्री ने कहा, आप इधर आइए। आपको अध्यक्ष बनाया हूं। सबके लिए अच्छे से काम कीजिए। हमारी सरकार महिलाओं की शिक्षा, सुरक्षा और स्वावलंबन के लिए काम कर रही है। हमारी सरकार ने बिहार में पंचायतों और सरकारी नौकरियों में महिलाओं को आरक्षण दिया है। मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना, जीविका योजना और महिला सुरक्षा योजना से बहुत लाभ मिला है। सम्मान समारोह महिलाओं के उत्थान और सशक्तिकरण को समर्पित था। जिसमें प्रदेश भर से महिलाएं शामिल हुईं। इस मौके पर परिवहन मंत्री शीला मंडल ने कहा... आज गांव-घर में महिलाएं आग बढ़ रही हैं। समाज में काफी बदलाव आया है। मुख्यमंत्री ने बिहार में महिलाओं के लिए काफी काम किया है। कौन क्या बोलता है, इससे मतलब नहीं है। विपक्ष को कुछ पता नहीं है। लोगों के बीच जाएंगे तब ना पता चलेगा।

महिलाएं हो रही आर्थिक रूप से स्वतंत्र, केरल लिख रहा इसकी नई कहानी

नई दिल्ली ।

आज विश्व महिला दिवस के मौके पर ये कहने में कोई गुरेज नहीं हैं कि देश की महिलाएं अब पहले के मुकाबले अपने अधिकारों को लेकर ज्यादा सजग हैं। महिलाएं सशक्त होने के साथ आर्थिक रूप से भी स्वतंत्र हो रही हैं। हालांकि, इस मामले में केरल की महिलाएं सबसे आगे हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं, बल्कि नीति आयोग की एक रिपोर्ट कह रही है। नीति आयोग की रिपोर्ट में देश भर में महिलाओं के बीच बढ़ रही वित्तीय स्वतंत्रता पर प्रकाश डाला गया। रिपोर्ट में बताया गया कि किस तरह से केरल की महिलाएं बेहतर तरीके से अपने क्रेडिट प्रोफाइल को संभाल रही है। देश की महिला उधारकर्ताओं में इनकी हिस्सेदारी 6 प्रतिशत है। जबकि इस मामले में पूरे देश में ये छठवें स्थान पर हैं। वित्तीय समावेशन और सशक्तिकरण के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को दिखाता है, जबकि केरल की जनसंख्या अन्य कई बड़े राज्यों के मुकाबले अपेक्षाकृत कम है। इससे साफ है कि लोन बाजार में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ रही है। महिला कर्जदारों की संख्या महाराष्ट्र में सबसे अधिक 15 प्रतिशत है। इसके बाद 11 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ तमिलनाडु दूसरे स्थान पर, 9 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ कर्नाटक तीसरे स्थान पर हैं। उत्तर प्रदेश और तेलंगाना की हिस्सेदारी 7 प्रतिशत है। रिपोर्ट में कहा गया हैं कि राज्य में 44 फीसदी महिलाओं ने छह महीने में अपने क्रेडिट स्कोर में सुधार देखा है। इससे पता चलता है कि राज्य की महिलाओं के बीच वितीय सूझबूझ किस तेजी से बढ़ रही है। नीति आयोग की स्टडी में सामने आया हैं कि केरल में महिला कर्जदार सबसे ज्यादा नगरीय क्षेत्रों से हैं, इसके बाद ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की महिलाएं हैं।

दिल्ली सरकार की महिला समृद्धि योजना को आतिशी ने पीएम मोदी का जुमला करार दिया

नई दिल्ली ।

भारतीय जनता पार्टी की रेखा गुप्ता सरकार ने दिल्ली में महिला समृद्धि योजना लागू करने का ऐलान किया है। इसके साथ लाखों पात्र महिलाओं को योजना के तहत हर माह 2500 रुपये मिलने है। लेकिन योजना पर अब आम आदमी पार्टी की प्रतिक्रिया आ गई है। नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने इस योजना को पीएम मोदी का जुमला करार दिया है। आतिशी का कहना है, दिल्ली चुनाव से पहले पीएम मोदी ने महिलाओं से वादा किया था कि 8 मार्च से हर महीने उनके बैंक खाते में 2500 रुपये आएंगे। उन्होंने कहा था कि यह मोदी की गारंटी है। 8 मार्च को महिलाएं फोन पर संदेश आने का इंतज़ार करती रहीं। बीजेपी सरकार ने साबित कर दिया कि वहां मोदी की गारंटी नहीं बल्कि एक जुमला था। सिर्फ पैसे नहीं बल्कि एक योजना तक नहीं मिली। रजिस्ट्रेशन के लिए पोर्टल तक नहीं मिला। सिर्फ 4 सदस्यों की एक कमेटी मिली। बीजेपी पर हमलावार आतिशी ने कहा, एक कहावत है खोदा पहाड़ निकली चुहिया। आज दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने साबित कर दिया कि पीएम मोदी ने दिल्ली की महिलाओं से झूठ बोला था। शायद ये शुरुआत है। दिल्ली के लोगों को आगे ये पता चलेगा कि जिस घोषणापत्र के वादे पर लोगों ने बीजेपी को वोट दिया वहां सब झूठ निकलेगा। आतिशी ने कहा, दिल्ली की महिलाओं के साथ बहुत बड़ा धोखा हुआ है। उन्हें झुनझुना पकड़ा दिया गया है।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी की दो टूक, बिल्कुल भी भरोसे लायक नहीं चीन

नई दिल्ली ।

भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने एक कार्यक्रम में भारत की सुरक्षा, चीन और पाकिस्तान को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना तेजी से नई टेक्नोलॉजी को अपना रही है और हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है।

अगर चीन से कभी युद्ध की स्थिति बनती है, तब भारत कितना तैयार है, इस पर सेना प्रमुख ने कहा कि भारतीय सेना नई टेक्नोलॉजी को तेजी से अपना रही है। उन्होंने बताया कि भारत ड्रोन टेक्नोलॉजी सहित हर विकसित हो रही टेक्नोलॉजी पर काम कर रहा है। हमारे पास इसतरह के ड्रोन हैं, जो एके-47 फायर कर सकते हैं और मिसाइल लांच कर सकते हैं। चीन की ओर से ड्रोन अटैक होने की स्थिति में भारत भी काउंटर अटैक के लिए पूरी तरह तैयार है।

चीन पर भरोसा करे या नहीं, इस सवाल पर जनरल द्विवेदी ने दो टूक कहा कि चीन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि युद्ध किसी भी देश के हित में नहीं होता, लेकिन अगर ऐसी स्थिति आती है तब भारतीय सेना अपनी रणनीति और ताकत के हिसाब से पूरी तैयारी के साथ जवाब देने को तैयार है।

आंतकी मुल्क पाकिस्तान को लेकर जनरल द्विवेदी ने कहा कि उसकी तरफ से आतंकवाद रोकने को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

इसकारण भारतीय सेना को हमेशा तैयार रहना होगा। उन्होंने बताया कि जम्मू-कश्मीर, जहां कभी आतंकवाद का साया हुआ करता था, वहां आज लाखों की संख्या में टूरिस्ट पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा, टेररिज्म से लेकर टूरिज्म तक का सफर तय किया है। भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर में बड़ी संख्या में आतंकियों को मार गिराया है। वहीं सेना प्रमुख ने बताया कि अग्निवीर योजना को और प्रभावी बनाने के लिए कई स्तरों पर काम हो रहा है। छुट्टियों के प्रावधान को नियमित सैनिकों के समान करने, अग्निवीर को भी अन्य सैनिकों जैसी सुविधाएं देने और तकनीकी रूप से अधिक कुशल युवाओं की भर्ती को प्राथमिकता देने जैसे कई सुधारों पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि योजना को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सेना कुछ अन्य मुद्दों पर भी काम कर रही है, ताकि अग्निवीरों को मुख्यधारा की सेना में बेहतर तरीके से शामिल किया जा सके।

जयपुर में आईफा अवॉर्ड्स का आगाज, सीएम शर्मा ने कहा, राजस्थान के बिना बॉलीवुड की कल्पना नहीं हो सकती

जयपुर ।

राजस्थान की राजधानी जयपुर में इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी (आईआईएफए) अवॉर्ड्स का आगाज हो चुका है। शनिवार को आयोजित प्रेसवार्ता में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी सहित कई बॉलीवुड सितारे शामिल हुए। सीएम भजनलाल ने कहा, राजस्थान के बिना बॉलीवुड की कल्पना नहीं की जा सकती। राजस्थान की खूबसूरत लोकेशंस, सड़क और रेल नेटवर्क फिल्म इंडस्ट्री के लिए बेहद खास हैं। उन्होंने बताया कि बीते एक साल में राज्य में 61 फिल्मों, वेब सीरीज और टीवी शो की शूटिंग हुई है।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि आईफा की घोषणा से ही हम आप सभी के आने का इंतजार कर रहे थे। वहीं, बॉलीवुड सितारों का जमावड़ा भी जयपुर में दिख रहा है। करीना कपूर और शाहिद कपूर की मौजूदगी ने लोगों का ध्यान खींचा। अवॉर्ड्स के लिए माधुरी दीक्षित, करण जौहर, कार्तिक आर्यन, नोरा फतेही और श्रेया घोषाल जैसे कलाकार रिहर्सल कर रहे हैं। पंजाबी गायक मीका सिंह भी इस भव्य आयोजन को खास बनाने पहुंचे हैं।

राजस्थान के तीन शहरों में तीन कारोबारियों के ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी

जयपुर।

राजस्थान की राजधानी जयपुर सहित राजस्थान के तीन शहरों (जयपुर, लालसोट और बहरोड़) में कारपेट, बिल्डर और कार्गो सर्विस फर्म से जुड़े तीन कारोबारियों के यहां छापेमारी जारी है। शुक्रवार को इनकम टैक्स की टीम ने 22 ठिकानों पर छापेमारी की थी। अब इसमें दो और ठिकाने बढ़े हैं। टीम को कारोबारियों के यहां से 3 करोड़ रुपए कैश, गहने और लॉकर मिले हैं। दुबई में बेहिसाब निवेश करने के डॉक्युमेंट भी आयकर विभाग के हाथ लगे हैं। आयकर विभाग के सूत्रों के मुताबिक, टैक्स चोरी की मिली सूचना पर अनिल गुप्ता, अशोक पाटनी और शब्बीर खान के जयपुर, लालसोट और बहरोड़ शहर स्थित 22 ठिकानों पर छापेमारी की गई थी। शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे शुरू हुई कार्रवाई शनिवार दूसरे दिन भी जारी है। शनिवार को विभाग की टीमों ने कारोबारियों के 2 और ठिकानों पर सर्च के लिए वारंट जारी किया है।

इसके बाद 24 जगह सर्च चल रहा है। इनकम टैक्स टीमों की छापेमारी के दौरान पर्सियन कार्पेट्स ग्रुप (शब्बीर खान), आशादीप ग्रुप (अनिल गुप्ता) और प्रेम कार्गो लॉजिस्टिक्स (अशोक जैन) अपने-अपने आवासों पर ही मौजूद हैं। कार्रवाई में 150 से अधिक आयकर अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं। टीमों को तीनों कारोबारियों के अब तक 24 लॉकर मिले हैं। उनके लिए वारंट जारी किए गए हैं।

500 रुपए के फटे नोट मिले

छापेमारी के दौरान टीम को कारोबारियों के ठिकानों से मिले गहनों का मूल्यांकन कर रही है। 500 रुपए के कई फटे नोट के टुकड़े भी मिले हैं। माना जा रहा है कि यह हवाला लेन-देन के आपत्तिजनक सबूत हैं। मोबाइल, कम्प्यूटर, लैपटॉप जैसे डिजिटल उपकरणों को भी जब्त कर जांच की जा रही है।

दिल्ली सरकार ने किया महिला समृद्धि योजना का ऐलान, इन पात्र महिलाओं के खाते में आएगा पैसा

नई दिल्ली ।

दिल्ली में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने महिला समृद्धि योजना के तहत एक बड़ी घोषणा की है। योजना के तहत बीपीएल कार्ड धारक महिलाओं को हर माह 2500 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी। योजना को दिल्ली कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है और अब इसके लिए पंजीकरण की प्रक्रिया जल्द शुरू होने वाली है।

दिल्ली सरकार की इस योजना का लाभ केवल बीपीएल कार्ड धारक महिलाओं को मिलेगा। साथ ही, महिलाओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे अन्य किसी सरकारी योजना का लाभ नहीं ले रही हैं। इस योजना में पात्र महिलाओं की आय सीमा तय की गई है। जिनकी वार्षिक आय 3 लाख रुपये तक होगी, वे योजना का लाभ ले सकती हैं। 1 लाख रुपये से कम आय वाली महिलाओं को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कार्ड (एनएफएसए) दिखाना होगा। इस योजना का लाभ लेने के लिए महिला की उम्र 21 से 60 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

इतना ही नहीं आवेदन करने वाली महिला को दिल्ली में करीब 5 साल का निवास प्रमाण पत्र होना चाहिए। साथ ही, आधार कार्ड और एक बैंक खाता (जो

आधार से लिंक हो) होना आवश्यक है। दिल्ली सरकार की इस योजना का उद्देश्य दिल्ली के गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं की मदद करना है, ताकि वे अपने जीवन में सुधार ला सकें और आत्मनिर्भर बन सकें।

पंजीकरण प्रक्रिया होगी ऑनलाइन

पंजीकरण के लिए 8 मार्च से आवेदन प्रक्रिया शुरू होने की संभावना है, जैसा कि बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पहले बताया था। पंजीकरण प्रक्रिया ऑनलाइन होगी, और पात्र महिलाएं अपनी जानकारी वेबसाइट पर दर्ज कर सकती हैं।

इसके बाद, चयनित लाभार्थियों की सूची तैयार की जाएगी, और इन्हें योजना के तहत 2500 रुपये हर महीने दिए जाएंगे।

पीएम मोदी के बाद अब केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह पहुंचे सौराष्ट्र

2 दिन गुजारेंगे गुजरात में

अहमदाबाद .

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बाद अब केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह दो दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 8 और 9 मार्च को दो दिन गुजरात में रहेंगे। इस यात्रा के दौरान अमित शाह जूनागढ़, गिर सोमनाथ, अहमदाबाद और गांधीनगर में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे, जिनमें धार्मिक, सामाजिक और विकासात्मक कार्यक्रम शामिल हैं। केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह अब सौराष्ट्र के गिर सोमनाथ पहुंच गए हैं, उनके साथ पत्नी भी दर्शन के लिए पहुंची हैं. अमित शाह ने परिवार के साथ पूजा की, महादेव का जलाभिषेक किया और दादा के चरणों में शीश झुकाया. हेलीपैड पर रेंज आईजी समेत अधिकारियों ने अमित शाह का स्वागत किया, मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, सांसद राजेश चुडास भी मौजूद रहे, वीवीआईपी गेस्ट हाउस में भोजन करने के बाद अमित शाह कोडिनार पहुंचे. जहां उन्होंने चीनी मिल मैदान में तलाला और कोडिनार चीनी मिलों के पुनरुद्धार और आधुनिकीकरण की आधारशिला रखी। कोडिनार चीनी मिल परिसर में होने वाले कार्यक्रम में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के साथ सहकारिता मंत्री जगदीश विश्वकर्मा और अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद रहे. कोडिनार चीनी मिल परिसर के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण और किसानों के हित में फैसला है जो पीएम मोदी ने किसानों की बात सुनी और एक अलग सहकारिता मंत्रालय बनाया। आज ये तीनों चीनी मिलें पुनर्जीवित हो चुकी हैं। इन चीनी मिलों के चालू होने से 10 हजार किसानों के जीवन में बड़ा बदलाव आने वाला है, ये मिलें किसानों के जीवन में समृद्धि लाएंगी। पीएम मोदी ने इसे चालू रखने का वादा किया था और आज यह वादा पूरा कर दिया है। कांग्रेस पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 70 साल में किसी भी प्रधानमंत्री ने वह नहीं किया जो मोदी सरकार ने किया है. 2013-14 में कांग्रेस सरकार के दौरान जनसंख्या 60 करोड़ से अधिक थी और कृषि का बजट 22 हजार करोड़ था। 2023-24 में जब मोदी सरकार अस्तित्व में आई तो मोदी सरकार ने 6 गुना बजट बनाया है. किसानों के बजट में वर्तमान में 1 लाख 37 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की गई है. इसके साथ ही उन्होंने आगे बताया कि, जब ये चीनी मिलें फिर से फलें-

फूलेंगी तो तलाला पंथक के किसानों का जीवन धन्य हो जाएगा और फिर से खुशहाली और समृद्धि आएगी. लेकिन मेरी सभी से एक प्रार्थना है कि हमें पानी बचाना है और इस काम में हमारा गुजरात पूरे देश में सबसे आगे होना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अब महिलाओं के प्रति बदलना होगा नज़रिया

2023 के 12 महीने बाद जारी किए गए इस रिपोर्ट में महिलाओं के प्रति हो रहे अपराध में दहेज उत्पीड़न और दुष्कर्म जैसे अपराध दर्ज किए गए हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग की यह रिपोर्ट महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता दिखाती है। आंकड़ों के मुताबिक देश भर में यौन उत्पीड़न के 805 मामले, साइबर अपराध के 605 मामले, पीछा करने की 472 मामले और सम्मान से जुड़े अपराध के खिलाफ 409 शिकायतें दर्ज कराई गईं। आंकड़ों के मुताबिक, महिलाओं के खिलाफ अपराधों में बलात्कार के मामले भी शामिल हैं।

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

भारत वह देश है जहां महिलाओं की सुरक्षा और इज्जत का खास ख्याल रखा जाता है। अगर हम इक्कीसवीं सदी की बात करे तो यहां की महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिला काम कर रही है। अब तो भारत की संसद ने भी महिलाओं के लिये लोकसभा व विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का विधेयक पास कर दिया है। उससे आने वाले समय में भारत की राजनीति में महिलाओं की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण हो जायेगी। देश में महिलाओं को अब सेना में भी महत्वपूर्ण पदो पर तैनात किया जाने लगा है। जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है।

यहां महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार है। महिलायें देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है तथा विकास में भी बराबर की भागीदार है। आज के युग में महिला पुरुषों के साथ ही नहीं बल्कि उनसे दो कदम आगे निकल चुकी है। महिलाओं के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। भारतीय संविधान के अनुसार महिलाओं को भी पुरुषों के समान जीवन जीने का हक है। भारत में नारी को देवी के रूप में देखा गया है। कहा जाता है कि जहां नारी की पूजा होती है वहां देवता निवास करते हैं। प्राचीन काल से ही यहां महिलाओं को समाज में विशिष्ट आदर एवं सम्मान दिया जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हर साल 8 मार्च 1911 से पूरे विश्व में मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य महिलाओं की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाना है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 का थीम है कार्रवाई में तेज़ी लाना। वर्ष की 2025 थीम में सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार, समानता, सशक्तिकरण होगी। जो वैश्विक स्तर पर महिलाओं और लड़कियों की प्रगति को रोकने वाली प्रणालीगत बाधाओं को तोड़ने के लिए समावेशन और तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता पर प्रकाश डालती।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक साल 2023 में भारत में महिलाओं के खिलाफ कुल 4,05,861 अपराध दर्ज किए गए। इन अपराधों में बलात्कार, छेड़छाड़, दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, साइबर अपराध, और अपहरण जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। इनमें सबसे ज्यादा मामले घरेलू हिंसा और यौन उत्पीड़न के सामने आए हैं। जो समाज में महिलाओं की सुरक्षा के प्रति हमारी उदासीनता को दर्शाते हैं। इससे पहले 2022 में 4,45,256 मामले, 2021 में 4,28,278 मामले 2020 में 3,71,503 मामले दर्ज किए गए थे।

एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक प्रति एक लाख आबादी पर महिला अपराध की दर 66.4 फीसदी रिकॉर्ड की गई। ऐसे मामलों में आरोप पत्र दायर करने की दर 75.8 फीसदी रही। एनसीआरबी ने बताया कि भारतीय दंड संहिता के तहत महिलाओं के खिलाफ सबसे ज्यादा 31.4 फीसदी जुर्म पति या उसके रिश्तेदारों की क्रूरता किए जाने के थे। इसके बाद अपहरण के 19.2 फीसदी, शील भंग करने के इरादे से महिलाओं पर हमले के 18.7 फीसदी और दुष्कर्म के 7.1 फीसदी मामले रहे। एनसीआरबी के मुताबिक पिछले साल देश में जितने मामले सामने आए उनमें से 2,23,635 यानी 50 फीसदी उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश में दर्ज किए गए। उत्तर प्रदेश में 2021 में महिला अपराध के 56,083 और और 2020 में 49,385 मामले दर्ज किए थे। इसके बाद राजस्थान (40,738 और 34,535), महाराष्ट्र (39,526 और 31,954), पश्चिम बंगाल (35,884 और 36,439) और मध्य प्रदेश (30,673 और 25,640) रहे थे।

भारत में वर्षो से महिला सुरक्षा से जुड़े कई कानून बने है। इसमें हिंदू विडो रीमैरिज एक्ट 1856, इंडियन पीनल कोड 1860, मैटरनिटी बेनिफिट एक्ट 1861, क्रिस्चियन मैरिज एक्ट 1872, मैरिड वीमेन प्रॉपर्टी एक्ट 1874,चाइल्ड मैरिज एक्ट 1929, स्पेशल मैरिज एक्ट 1954, हिन्दू मैरिज एक्ट 1955, फॉरेन मैरिज एक्ट 1969, इंडियन डाइवोर्स एक्ट 1969, मुस्लिम वुमन प्रोटेक्शन एक्ट 1986, नेशनल कमीशन फॉर वुमन एक्ट 1990, सेक्सुअल हर्रास्मेंट ऑफ वुमन एट वर्किंग प्लेस एक्ट 2013 आदि। इसके अलावा 7 मई 2015 को लोक सभा ने और 22 दिसम्बर 2015 को राज्य सभा ने जुवेनाइल जस्टिस बिल में भी बदलाव किया है। इसके अन्तर्गत यदि कोई 16 से 18 साल का किशोर जघन्य अपराध में लिप्त पाया जाता है तो उसे भी कठोर सजा का प्रावधान है।

राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले में उत्तर प्रदेश सबसे आगे रहा। राष्ट्रीय महिला आयोग की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक देश भर से पूरे साल में महिलाओं के खिलाफ अपराध की 28,811 शिकायतें मिलीं। इसमें 16 हजार से ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश राज्य से आए हैं। आंकड़े हैरान कर देने वाली हैं। क्योंकि आयोग में ये शिकायत गरिमा के अधिकार कैटेगरी के अंतर्गत दर्ज किया गया है। इसके बाद दूसरे नंबर पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 2,411 मामले दर्ज किए गए। महाराष्ट्र में 1,343, बिहार में 1,312 और मध्य प्रदेश में 1,165 इतने मामले दर्ज किए गए हैं।

2023 के 12 महीने बाद जारी किए गए इस रिपोर्ट में महिलाओं के प्रति हो रहे अपराध में दहेज उत्पीड़न और दुष्कर्म जैसे अपराध दर्ज किए गए हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग की यह रिपोर्ट महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता दिखाती है। आंकड़ों के मुताबिक देश भर में यौन उत्पीड़न के 805 मामले, साइबर अपराध के 605 मामले, पीछा करने की 472 मामले और सम्मान से जुड़े अपराध के खिलाफ 409 शिकायतें दर्ज कराई गईं। आंकड़ों के मुताबिक, महिलाओं के खिलाफ अपराधों में बलात्कार के मामले भी शामिल हैं। साल 2023 में बलात्कार और बलात्कार के प्रयास के 1,537 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद गरिमा के अधिकार के तहत 8,540, घरेलू हिंसा के 6,274, दहेज उत्पीड़न के 4,797, छेड़छाड़ के 2,349,और महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता के 1,618 मामले दर्ज किए गए।

2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले 2022 की तुलना में कम हुए हैं। 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 30,864 मामले दर्ज किए गए थे। जबकि 2023 में यह संख्या घटकर 28,278 हो गई। यह एक सकारात्मक संकेत है लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। साल 2022 के बाद से शिकायतों की संख्या में कमी देखी गई है। जब 30,864 शिकायतें प्राप्त हुई थी, जो 2014 के बाद से सर्वाधिक आंकड़ा था। जहां तक बात महिलाओं की सुरक्षा की आती है तो पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अभूतपूर्व निर्णयों से महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई प्रबंध किये हैं। आज भारत में महिलायें पहले की अपेक्षा ज्यादा सुरक्षित है।

हम एक तरफ महिलाओं को हर क्षेत्र में बराबरी का दर्जा देकर उन्हे आगे बढ़ा रहें है। वहीं दूसरी तरफ उनके साथ अत्याचार की घटनाओं में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है। आये दिन हमें महिलाओं के साथ बलात्कार, दुर्व्यवहार होने की घटनाये सुनने को मिलती रहती है। ऐसी घटनाओं से महिला सशक्तिकरण के अभियान को धक्का लगता हैं। देश में महिलाओं के प्रति खराब होते माहौल को बदलने की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की ही नहीं अपितु हर आम आदमी की भी है। हम सभी को आगे आकर महिला सुरक्षा की लड़ाई में महिलाओं का साथ देना होगा तभी देश की मातृ शक्ति सर उठा कर शान से चल सकेगीं। अब महिलाओं को समझना होगा कि आज समाज में उनकी दयनीय स्थिति समाज में चली आ रही परम्पराओं का परिणाम है। इन परम्पराओं को बदलने का बीड़ा स्वयं महिलाओं को ही उठाना होगा। तभी समाज में उनके प्रति सोच बदल पायेगी।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

संपादकीय

अभिव्यक्ति का हक

यह विडंबना ही है कि आजादी के पिचहत्तर साल बाद भी शीर्ष अदालत को याद दिलाना पड़ा है कि संविधान प्रदत्त अभिव्यक्ति की आजादी अनिवार्य हक है। यह भी कि हमारी पुलिस अब तक स्वतंत्र अभिव्यक्ति का मर्म नहीं समझी है और अकसर राजनीतिक दबाव में कार्यवाही कर देती है। कमोबेश यही स्थिति सत्ता पक्ष की भी है कि वो अपनी आलोचना पर तल्ख होकर अभिव्यक्ति की आजादी का अतिक्रमण करने पर उतारू हो जाता है। ऐसे मामलों में पुलिस का भी दायित्व बनता है कि अभिव्यक्ति की सही व्याख्या करे। उसके बाद ही किसी तरह की कार्रवाई करे। निश्चय ही ऐसे मामलों में बेहद संवेदनशीलता की जरूरत होती है। वहीं दूसरी ओर हाल के दिनों में किसी राजनेता के बयान, फिल्मों, साहित्यिक अभिव्यक्ति पर भावनाएं आहत होने के आरोप लगाने का फैशन ही बन गया है। दरअसल, कला व साहित्य में अभिव्यक्ति बिंबों व प्रतीकों के माध्यम से की जाती है। जिसकी सतही व्याख्या करके आनन-फानन में मुकदमे दर्ज कर दिए जाते हैं। भारतीय समाज की तो सदियों से यह खूबसूरती ही रही है कि सभी विचारों व तर्कों का सम्मान किया जाता रहा है। लेकिन हाल के सोशल मीडिया के दौर में कथित भावना आहत होने के आरोप लगाने का रिवाज सा बन गया है। इसके विपरीत सत्ता पक्ष को सुविधाजनक लगने वाले तल्ख विचारों की अभिव्यक्ति का नोटिस नहीं लिया जाता। विडंबना यह है कि पुलिस भी सत्ता पक्ष के दबाव के चलते न्यायसंगत कार्रवाई नहीं कर पाती। यही वजह है कि पिछले दिनों सांसद इमरान प्रतापगढ़ी की कविता पर प्राथमिकी दर्ज होने तथा अश्लील अभिव्यक्ति करने वाले रणवीर इलाहाबादिया के प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट ने मार्गदर्शक टिप्पणियां की। इसमें प्रतापगढ़ी की कविता का मर्म समझे बिना उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की कड़ी आलोचना की गई। साथ ही शीर्ष अदालत ने सरकारी दिशा-निर्देशों में स्वतंत्र अभिव्यक्ति की गरिमा का ध्यान रखने को भी कहा, जिससे किसी के साथ अन्याय न हो सके। निस्संदेह, अदालत ने स्वतंत्र अभिव्यक्ति के लोकतांत्रिक व संवैधानिक मूल्यों के रूप में अपरिहार्य होने का जिक्र करते हुए दोटूक शब्दों में कहा कि कम से कम आजादी के सात दशक बाद पुलिस को इसकी गरिमा का अहसास होना चाहिए था। कोर्ट ने नसीहत दी कि प्रतापगढ़ी के खिलाफ मामला दर्ज करने से पहले पुलिस को कविता पढ़नी चाहिए थी और उसका वास्तविक अर्थ समझना चाहिए था। कविता इंसाफ और प्रेम को अभिव्यक्त करती थी, न कि हिंसा-दुर्भावना को। कोर्ट ने ऐसी ही टिप्पणी डिजिटल प्लेटफार्म के एक कार्यक्रम में भदेस-अश्लील शब्दावली का प्रयोग करने वाले रणवीर इलाहाबादिया को फिर से कार्यक्रम की अनुमति देते वक्त की है। कोर्ट ने चेताया कि अभिव्यक्ति की आजादी के मायने अश्लील अभिव्यक्ति कदापि नहीं है। कोर्ट ने इलाहाबादिया को सख्त लहजे में चेताया कि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर वे नैतिकता व अश्लीलता की सीमाओं के अतिक्रमण करने का दुस्साहस कदापि न करें। अदालत ने सोशल मीडिया मंचों के दुरुपयोग पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि सरकार इस बाबत दिशा-निर्देश जारी करे ताकि सेंसर करने तथा मापदंडों का फर्क स्पष्ट हो सके, जिससे आनन-फानन में विचारों की स्वतंत्रता पर अनावश्यक अंकुश न लगाया जा सके। निस्संदेह, आजकल जब सोशल मीडिया के कतिपय मंचों पर असामाजिक व्यवहार मर्यादाओं की सीमा लांघना आम होता जा रहा है, इनका गाइडलाइन्स के जरिये नियमन जरूरी हो जाता है।

सोशल मीडिया और भारतीय पत्रकारिता के समक्ष संकट

(लेखक- प्रो. प्रदीप माथुर)

पिछले सोमवार के सुप्रीम कोर्ट के आदेश और रणवीर इलाहाबादिया मामले से जुड़े विवाद ने सोशल मीडिया की अनियमितताओं के मुद्दे को सामने ला दिया है। हालाँकि जस्टिस सूर्यकांत का आदेश अश्लीलता और शालीनता के ज्ञात नैतिक मानकों के उल्लंघन के सवाल पर है, जो मामले का आधार था, लेकिन यह मुद्दा बहुत व्यापक है क्योंकि यह मीडिया नैतिकता के सबसे महत्वपूर्ण सवाल से संबंधित है। समय आ गया है कि पूरे मीडिया स्पेक्ट्रम की आलोचनात्मक जांच की जाए और यह पता लगाया जाए कि हमारे मीडिया में क्या गलत है, जिसे विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बाद लोकतांत्रिक समाज का चौथा स्तंभ कहा जाता है।

मीडिया एक व्यापक-आधारित शब्द है जिसमें समाचार मीडिया, पारंपरिक मीडिया, सोशल मीडिया, विज्ञापन और जनसंपर्क शामिल हैं। मीडिया और समाचार मीडिया के बीच एक सूक्ष्म लेकिन बहुत महत्वपूर्ण अंतर है जिसे पारंपरिक रूप से पत्रकारिता या प्रेस के रूप में जाना जाता है। यह मीडिया का सबसे महत्वपूर्ण रूप है क्योंकि यह लोगों को बिना किसी डर या पक्षपात के सही, सत्य और वस्तुनिष्ठ जानकारी प्रदान करता है और सामाजिक और नीति-निर्माण मुद्दों के बारे में उनके मन बनाने में उनकी मदद करता है।

यहाँ हम केवल समाचार मीडिया या पत्रकारिता की बात करेंगे जो 1775 में कोलकाता में छपे पहले समाचार पत्र के बाद से अपने 250 साल के अस्तित्व के सबसे कठिन दौर से गुजर रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का आगमन और अनियंत्रित विकास, समाचार मीडिया संगठनों को नियंत्रित करने वाले व्यापारिक घरानों और क्रोनी पूंजीपतियों का लालच, समाज के उदार और लोकतांत्रिक स्वभाव में गिरावट, अधिनायकवादी रुझान और वर्तमान राजनीतिक प्रतिष्ठान का स्वतंत्र मीडिया विरोधी रवैया, दर्शकों की उदासीनता और निराशा की सामान्य भावना जैसे कई कारक मिलकर समाचार मीडिया के सामने एक ऐसा अस्तित्वगत संकट पैदा कर रहे हैं जो पहले कभी नहीं था। दुखद बात यह है कि हम ज्यादातर इस बारे में अनजान हैं। तथाकथित गोदी मीडिया एक बहुत बड़ी बीमारी का लक्षण मात्र है।

अच्छी पत्रकारिता या समाचार मीडिया की पहचान तीन शब्दों से होती है- फ्री, फ्रैंक और फियरलेस। लंबे समय से समाचारों को इन तीन एफ के मानदंडों पर ईमानदार और पेशेवर रूप से ईमानदार पत्रकारों द्वारा लिखा और संपादित किया जाता रहा है। वर्तमान समय में जब समाचार मीडिया की विश्वसनीयता चरमरा गई है, तब भी तीन एफ का इस्तेमाल किया जा रहा है, लेकिन उनकी परिभाषा बदल गई है। अब वे फेक, फेवरेट और फ्रिवोलस के लिए खड़े हैं। अपने नए अवतार में ये तीन एफ चौथे स्तंभ के लिए एक बड़ा खतरा हैं, जिसका अच्छा स्वास्थ्य हमारे लोकतांत्रिक ढांचे के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि किसी भी संवैधानिक संस्था के लिए।

जबकि फर्जी खबरें झूठ फैलाती हैं और पक्षपात निष्पक्षता को खत्म कर देता है, खबरों और सच्ची सूचनाओं की आत्मा, तुच्छ खबरें गंभीर और विचारशील लोगों को समाचार मीडिया से दूर कर देती हैं और मीडिया दर्शकों की गुणवत्ता को कम कर देती हैं कुछ ऐसा जो हम आज देख रहे हैं। और यह हमारे समाज में उचित शासन के लिए एक प्रबुद्ध जनमत के निर्माण के प्रयासों के लिए एक बड़ा खतरा है, जहां लोगों का एक बड़ा वर्ग अज्ञानता, निरक्षरता और पिछड़ेपन से ऊपर उठने के लिए दृढ़ प्रयास कर रहा है।

यह एक शुभ संकेत है कि सुप्रीम कोर्ट ने हमारे समाज में शालीनता के बुनियादी सामाजिक मानदंडों के समर्थन में बात की है। हमें उम्मीद है कि यह हमारे समाज में समाचार मीडिया की सही भूमिका को भी परिभाषित करेगा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संवैधानिक प्रावधान की आड़ में चल रहे अनैतिक और अवांछनीय व्यवहारों पर प्रतिबंध लगाएगा।

इस महान देश के नागरिक के रूप में, हमें समाचार मीडिया में गंभीर और वस्तुनिष्ठ लेखन के लिए दृढ़ प्रयास करना होगा ताकि सार्वजनिक नीति के मुद्दों पर एक सुविचारित, तर्कसंगत और बुद्धिमान बहस की संस्कृति मजबूत हो। यह हमारे लोगों की भलाई और हमारे देश के त्वरित विकास के लिए आवश्यक है।

(चिंतन-मनन)

तुम्हारी सम्पदा है निष्ठा

यदि तुम सोचने हो कि ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर का कुछ हित कर रही है, तो यह भूल है। ईश्वर या गुरु में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर या गुरु का कुछ नहीं करती। निष्ठा तुम्हारी सम्पदा है। निष्ठा तुम्हें बल देती है। तुममें स्थिरता, केंद्रीयता, प्रशांति और प्रेम लाती है। निष्ठा तुम्हारे लिए आशीर्वाद है। यदि तुममें निष्ठा का अभाव है, तुम्हें निष्ठा के लिए प्रार्थना करनी होगी।

परन्तु प्रार्थना के लिए निष्ठा की आवश्यकता है यह विरोधाभासी है। लोग संसार में निष्ठा रखते हैं परन्तु समस्त संसार सिर्फ साबुन का बुलबुला है। लोगों की स्वयं में निष्ठा है परन्तु वे नहीं जानते कि वे स्वयं कौन हैं! लोग सोचते है कि ईश्वर में उनकी निष्ठा है परन्तु वे सचमुच नहीं जानते कि ईश्वर कौन है।

निष्ठा तीन प्रकार की होती है- पहली है स्वयं में निष्ठा- स्वयं में निष्ठा के बिना तुम सोचते हो, मैं यह नहीं कर सकता, यह मेरे लिए नहीं, मैं कभी इस जिंदगी से मुक्त नहीं हो पाऊंगा। दूसरी है संसार में निष्ठा-संसार में तुम्हें निष्ठा रखनी ही होगी वरना तुम एक इन्च भी नही बढ़ सकते। यदि तुम सब पर शक करोगे, तब तुम्हारे लिए कुछ नहीं हो सकता।

तीसरे ईश्वर में निष्ठा रखो, तभी तुम विकसित होगे। ये सभी निष्ठाएं आपस में जुड़ी हैं।प्रत्येक को मजबूत होने के लिए तुममें तीनों ही होनी चाहिए। यदि तुम एक पर भी शक करोगे, तुम सब पर शक करना आरम्भ कर दोगे। ईश्वर, संसार और स्वयं के प्रति निष्ठा का अभाव भय लाता है।

निष्ठा तुम्हें पूर्ण बनाती है-सम्पूर्ण संसार के प्रति निष्ठा होते हुए भी ईश्वर में निष्ठा न होने से पूर्ण शान्ति नहीं मिलती। यदि तुममें निष्ठा और प्रेम है तो स्वतः ही तुममें शांति और स्वतत्रता होगी।अत्यधिक अशान्त व्यक्तियों को समस्याओं से निकलने के लिए ईश्वर में निष्ठा रखनी चाहिए। निष्ठा और विश्वास में फर्क है। निष्ठा आरम्भ है, विश्वास परिणाम है। स्वयं के प्रति निष्ठा स्वतंत्रता लाती है। संसार में निष्ठा तुम्हें मन की शांति देती ह। ईश्वर में निष्ठा तुममें प्रेम जागृत करती है।

विचार मंथन

अमेरिकी आर्थिक संकट का भारतीय एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

(लेखक- सनत जैन)

अमेरिकी अर्थव्यवस्था उपभोक्ताओं और सेन्य कारोबार पर निर्भर रही है। हाल के वर्षों में यह संतुलन बिगड़ता हुआ दिख रहा है। बढ़ती महंगाई, रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा क्रेडिट कार्ड कर्ज, उच्च ब्याज दरें, अमेरिकी उपभोक्ताओं के क्रय शक्ति को प्रभावित कर रही हैं। इसका सीधा असर खुदरा बिक्री और प्रमुख कंपनियों के राजस्व पर पड़ रहा है। जिससे अमेरिका में आर्थिक मंदी की आशंका बढ़ गई है। अमेरिका की आर्थिक स्थिति बिगड़ने का प्रभाव केवल अमेरिका तक सीमित नहीं रहेगा। भारत, चीन और यूरोप जैसी बड़ी अर्थव्यवस्थाएं भी इससे अछूती नहीं रहेंगी। वैश्विक वित्तीय बाजारों में तेजी के साथ वित्तीय अनिश्चितता बढ़ेगी। निवेशकों का रुझान डॉलर की ओर जाएगा। इससे भारतीय रुपये की कमजोरी और भी बढ़ना तय है। इस कारण भारत में महंगाई अधिक बढ़ने की संभावनाएं हैं। भारत में कच्चे तेल, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य आयातित वस्तुओं की कीमतें 10 से 15 फ़ीसदी तक बढ़ सकती हैं। जिससे आम नागरिकों की रोजमर्रा की जरूरतें महंगी हो जाएंगी। अमेरिकी मंदी का असर भारतीय निर्यात कारोबार पर भी पड़ना तय है। भारत के आईटी सैक्टर, दवा उद्योग, कपड़ा और आभूषण क्षेत्र अमेरिकी बाजारों पर निर्भर है। यदि वहां मांग कम होती है, तो इन क्षेत्रों में उत्पादन और रोजगार पर संकट भारत में भी गहरा सकता है। इसी तरह, विदेशी निवेश में भी कमी आना तय है। भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशक लगातार अपना निवेश निकाल रहे हैं। जिसके कारण भारत में शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिली है। यह स्थिति टैरिफ वार के पहले की है। जब टेरिफ वार शुरू होगा, तो उसके बाद क्या स्थिति होगी। इसका आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है। भारतीय स्टार्टअप और छोटे व्यवसायों को आने वाले समय में फंडिंग मिलना मुश्किल हो सकता है। अमेरिका का यह संकट भारत के लिए एक अवसर भी बन सकता है। भारत सरकार घरेलू उद्योग और बाजार को मजबूत करने के सुनियोजित प्रयास युद्ध स्तर पर किए जाएं, तो भारत के लिए सुनहरा अवसर भी हो सकता है। भारत की आबादी उसके लिए बड़ी पूंजी बन सकती है। चीन की तर्ज पर भारत के बाजार को वैश्विक मांग के अनुसार विकसित किया जा सकता है। सरकार को निर्यात मे विविधता देने के लिये घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने और रुपये को वैश्विक बाजार में स्थिर बनाये रखने के लिए नई रणनीति बनानी होगी।

अमेरिका की आसन्न मंदी का असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। इसकी गंभीरता इस पर निर्भर करेगी, विभिन्न देश कितनी कुशलता से अपनी अर्थव्यवस्थाओं को संतुलित कर पाते हैं। भारत को इस संकट के प्रति सतर्क रहकर दीर्घकालिक नीतियों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। भारत सरकार को इस तरह से अपनी नीतियां बनानी होंगी, जिससे भारत में स्थानीय स्तर पर रोजगार बढ़े, निर्यात व्यापार के लिए छोटे उत्पादकों और कारोबारियों को मौका मिले, इसका ध्यान रखना जरूरी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह की नीतियां लागू करने की कोशिश की है इसका असर भारत सहित दुनिया के सभी देशों में पडने जा रहा है। चीन और यूरोप के देशों ने अमेरिका की इस नई नीति के विरोध में अपनी कमर कस ली है। अमेरिका को वह बराबरी से जवाब देने की तैयारी कर रहे हैं। भारत सरकार ने अपनी किसी नीति का खुलासा नहीं किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले दो महीने में भारत को लेकर जो नीति बनाई है और कार्रवाई की है, उसके बारे में भारत सरकार का मौन साध लेना भारत के साथ-साथ वैश्विक कूटनीतिक एवं सामरिक संबंधों को भी प्रभावित कर रहा है। भारत सरकार दो पाटों के बीच में फंसकर रह गई है। भारत सरकार अभी तक समझ ही नहीं पा रही है, उसे स्थिति का मुकाबला किस तरह से करना है। आर्थिक क्षेत्र में भारत सरकार की जो नीतियां हैं। वह लगातार भारतीय अर्थव्यवस्था को नीचे की ओर ले जा रही हैं। ऐसी स्थिति में सरकार को अच्छे आर्थिक विशेषज्ञों की सलाह अर्थव्यवस्था को लेकर लेनी होगी। भारत की अर्थव्यवस्था में ब्यूरोक्रेट काम कर रहे हैं। ब्यूरोक्रेट के स्थान पर जल्द से जल्द अर्थशास्त्रियों की तैनाती करनी होगी। जो सरकार को समय-समय पर सही सलाह दे सकें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिका के एक्सचेंज ऑपरेटर नेस्डेक इंक में अब 24 घंटे होगी ट्रेडिंग!

वाशिंगटन । अमेरिका के दूसरे सबसे बड़े एक्सचेंज ऑपरेटर नेस्डेक इंक ने अपने इक्विटी एक्सचेंज पर सप्ताह में पांच दिन, 24 घंटे ट्रेडिंग शुरू करने की योजना बनाई है। एक्सचेंज ने यह फैसला अमेरिकी शेयर बाजार की बढ़ती वैश्विक मांग को देखते हुए लिया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय निवेशकों को अधिक अवसर हो सिल होंगे। नेस्डेक के प्रेसिडेंट के मुताबिक नियामकीय मंजूरी और इंडस्ट्री के अन्य भागीदारों के साथ तालमेल के बाद यह सुविधा 2026 की दूसरी छमाही तक शुरू हो सकती है। शुरुआत में नेस्डेक कुछ बड़े मार्केट-कैप स्टॉक्स पर एक्सटेंडेड ट्रेडिंग की टेस्टिंग कर सकता है। यह देखना दिलचस्प होगा कि एक्सचेंज इस सुविधा के लिए अतिरिक्त शुल्क लेता है या नहीं। नेस्डेक ने अपनी योजना की पुष्टि करते हुए कहा है कि वह जल्द ही अमेरिकी सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन से अप्रूवल के लिए आवेदन करेगा।

मलेशियाई पाम ऑयल को बढ़ावा देने एमपीओसी और ओटीएआई में करार

मुंबई । भारत और मलेशिया के बीच व्यापारिक सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से मलेशियाई पाम ऑयल काउंसिल (एमपीओसी) और ऑयल टेक्नोलॉजिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ओटीएआई) ने एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। एमपीओसी और ओटीएआई ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि इस सहयोग के तहत भारतीय बाजार में मलेशियाई पाम ऑयल के पोषण संबंधी लाभों और स्वास्थ्य विशेषताओं को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। भारत को मलेशियाई पाम ऑयल का अहम बाजार मानते हुए, इस साझेदारी का उद्देश्य पाम ऑयल से जुड़ी गलतफहमियों को दूर करना और इसके स्वास्थ्य एवं औद्योगिक उपयोगों को उजागर करना है। यह पहल उपभोक्ता जागरूकता, उद्योग संवाद और वैज्ञानिक अनुसंधान को प्राथमिकता देगी।

एनबीएफसी पर आरबीआई की कार्रवाई, लगाया भारी जुर्माना

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चार गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) पर कुल 76.60 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई पीयर-टू-पीयर लेंडिंग प्लेटफॉर्म्स द्वारा आरबीआई के निर्देशों के कुछ प्रावधानों का पालन न करने के कारण की गई है। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी - पीयर-टू-पीयर लेंडिंग प्लेटफॉर्म (रिजर्व बैंक) निर्देश, 2017 के उल्लंघन पर फेयरएसेट्स टेक्नोलॉजीज इंडिया पर 40 लाख रुपए, जबकि ब्रिज फिनटेक सॉल्यूशंस और रंग दे पी2पी फाइनेंशियल सर्विसेज पर 10-10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। आरबीआई ने विजनरी फाइनेंसपीयर पर 16.6 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने कहा है कि यह जुर्माना नियामकीय अनुपालन में कमियों के आधार पर लगाया गया है और इसका उद्देश्य संस्थाओं द्वारा ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता पर निर्णय लेना नहीं है। आरबीआई ने अलग-अलग विज्ञप्तियों के माध्यम से इस जुर्माने की जानकारी दी।

जीएमआर एयरपोर्ट्स ने डायल में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई

नई दिल्ली । जीएमआर एयरपोर्ट्स लिमिटेड ने जर्मनी की फ्रापोर्ट से 10 प्रतिशत शेयरधारिता का अधिग्रहण पूरा करने के बाद दिल्ली हवाई अड्डे का संचालन करने वाली कंपनी डायल में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 74 प्रतिशत कर ली है। पिछले सितंबर में जीएमआर समूह की कंपनी ने दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी 12.6 करोड़ डॉलर में खरीदने के लिए फ्रापोर्ट एजी फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट सर्विसेज वर्ल्डवाइड के साथ शेयर खरीद समझौते की घोषणा की थी। जीएमआर एयरपोर्ट्स ने शेयर बाजार को दी एक सूचना में कहा कि अपेक्षित अनुमोदन मिलने और पूर्व शर्तें पूरा करने के बाद कंपनी और फ्रापोर्ट के बीच शेयरों के हस्तांतरण और प्रतिफल के आदान-प्रदान की प्रक्रिया पूरी हो गई है। जीएमआर एयरपोर्ट्स ने कहा कि इस अधिग्रहण के बाद उसकी डायल में हिस्सेदारी 64 प्रतिशत से बढ़कर अब 74 प्रतिशत हो गई है। डायल में शेष 26 प्रतिशत हिस्सेदारी भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के पास है। डायल राष्ट्रीय राजधानी में इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का संचालन करती है जो कि देश का सबसे बड़ा हवाई अड्डा भी है।

टेक महिंद्रा ने अमेरिका में खोला नया हेडक्वार्टर

- कारोबार बढ़ाने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली ।

टेक महिंद्रा ने अमेरिका के टेक्सास के प्लेनो में नए हेडक्वार्टर खोला है। इससे कंपनी को अमेरिका में उसके कारोबार को बढ़ाने में मदद करेगा। अमेरिका में टेक महिंद्रा का यह 19वां ऑफिस है। यह रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण नॉर्थ टेक्सास में है। यह रीजन अपने बिजनेस इकोसिस्टम और डीप टैलेंट पूल के लिए जाना जाता है। 27,000 स्क्वायर फीट में फैली इस सुविधा में 130 सीटें हैं। इस ऑफिस के जरिए कंपनी टेक्नोलॉजी कंसल्टिंग, कस्टमर सपोर्ट और डिजिटल सॉल्यूशंस उपलब्ध कराएगी। टेक महिंद्रा के इस नए ऑफिस की एक प्रमुख विशेषता इनोवेशन लैब है। यह लैब सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में काम करेगी और इनोवेशन में तेजी लाने के लिए रिसर्च एवं डेवलपमेंट प्रयासों को आगे बढ़ाएगी। प्लेनो के मेयर ने कहा कि टेक इनोवेशन हमारे क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। टेक महिंद्रा का नया कार्यालय स्थानीय प्रतिभाओं को बढ़ावा देगा और हमारी अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देगा, जो एक संपन्न तकनीकी इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए हमारी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। टेक महिंद्रा के एक अधिकारी ने टेक्सास को टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के लिए एक उभरती हुई शक्ति बताया।

उन्होंने कहा कि नॉर्थ टेक्सास में एक शीर्ष नियोक्ता होने के कारण हम नई सुविधा के खुलने का स्वागत करते हैं। यह ग्राहकों, पार्टनर्स और स्थानीय अर्थव्यवस्था को सपोर्ट करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

बाजार में अभी और 10 परसेंट की गिरावट बाकी!

- निवेशकों को सतर्क रहना जरूरी

नई दिल्ली । भारतीय शेयर बाजार में इस समय महामारी के बाद की सबसे बड़ी गिरावट देखी जा रही है। भारत का बाजार धीरे-धीरे बॉटम आउट हो रहा है, लेकिन वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए अभी सुधार की जरूरत है। बाजार के जानकारों का कहना है कि आगे 10 फीसदी और गिरावट आ सकती है, लेकिन यह लॉन्ग-टर्म निवेशकों के लिए अवसर भी प्रदान करेगी। समग्र रूप से भारतीय बाजार का भविष्य स्थिर नजर आ रहा है, लेकिन निवेशकों को सतर्क रहना जरूरी है। इस गिरावट में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली मानी जा रही है। बाजार के जानकारों ने बताया कि अबर्डीन के बोर्ड मेंबर्स की भारत यात्रा सकारात्मक रही। उन्होंने इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, बढ़ता सरकारी खर्च और तेजी से बढ़ते ई-कॉमर्स सेक्टर को लेकर संतोष व्यक्त किया। एफआईआई निवेशकों की बिकवाली के चलते पिछले 4-5 महीनों में बाजार में करेक्शन देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि फिलहाल भारत में कैपेक्स खर्च में थोड़ी कमी आई है और भारत इनसे अपेक्षाकृत कम प्रभावित होता है। भारत में एफआईआई निवेशकों की बिकवाली के अलावा ट्रंप के टैरिफ बढ़ाने के फैसले का भी असर महसूस हो रहा है।

एचडीएफसी बैंक का शेयर 1689 रुपये पर हुआ बंद

मुंबई । घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी है, जहां कुछ कंपनियों के शेयर तेजी पकड़ रहे हैं, वहीं कुछ में गिरावट देखने को मिल रही है। एचडीएफसी बैंक का शेयर भी निवेशकों के बीच चर्चा में बना हुआ है। शुक्रवार को एचडीएफसी बैंक का शेयर 1689.25 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। पिछले सप्ताह में इसने मामूली बढ़त दर्ज की, लेकिन पिछले एक महीने में 2.67 फीसदी की गिरावट आई है। हालांकि, दीर्घकालिक नजरिए से देखें तो पिछले 1 साल में 16.69 फीसदी और 5 साल में 51.95 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। जिससे इसका भविष्य सकारात्मक नजर आ रहा है। वर्तमान में एचडीएफसी बैंक के शेयर ने बीएसई पर 0.12 फीसदी की गिरावट के साथ 1689.25 रुपये पर बाजार बंद किया। पिछले कारोबारी दिन इसका मूल्य 1691.20 रुपये था, यानी इसमें 1.95 रुपये की मामूली गिरावट आई। बैंक के शेयरों का 52-सप्ताह का उच्चतम स्तर 1,880 रुपये और न्यूनतम स्तर 1,421.25 रुपये रहा है। इस समय बैंक का कुल बाजार पूंजीकरण 12,92,884 करोड़ रुपये है, जो इसे भारत की सबसे बड़ी वित्तीय कंपनियों में शामिल करता है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि दीर्घकालिक निवेशकों के लिए यह एक मजबूत स्टॉक बना हुआ है। बैंक की वित्तीय स्थिति स्थिर है और इसकी विकास दर भी संतोषजनक बनी हुई है। हालांकि, बाजार की मौजूदा अस्थिरता के कारण इसमें अल्पकालिक उतार-चढ़ाव देखे जा सकते हैं।

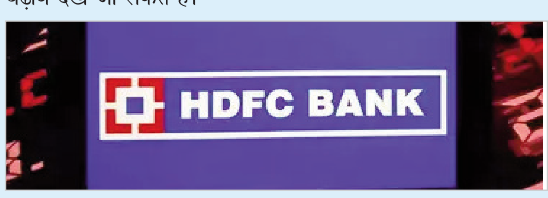

बीते सप्ताह शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार रहा

- सेंसेक्स 7.51 अंकों की गिरावट के साथ 74,332.58 पर बंद

- निफ्टी 7.80 मामूली बढ़त के साथ 22,552.50 स्तर पर बंद

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों के बीच बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार देखा गया। बीते सप्ताह शेयर बाजार में तेजी तो कभी गिरावट पर कारोबार होता रहा। बीते पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो शेयर बाजार हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को हरे निशान पर खुला। हालांकि, जल्द ही बाजार लाल निशान पर भी आ गया। बीते हफ्ते गिरावट के सुनामी में फंसे निवेशकों के लिए दिन की शुरुआत तो अच्छी हुई, लेकिन यह खुशी ज्यादा देर नहीं टिकी। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 429.31 अंक चढ़कर 73,627.41 अंक पर खुला और 112.16 अंक की गिरावट के साथ 73,085.94 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 130 अंक बढ़कर 22,254.70 अंक पर खुला और 5.40 अंक की मामूली गिरावट के साथ 22,119.30 अंक पर बंद हुआ। मंगलवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 347.07 अंक गिरकर 72,738.87 पर खुला और 96.01 अंक गिरकर 72,989.93 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 109.85 अंक गिरकर 22,009.45 पर खुला और 36.65 अंक फिसलकर 22,082.65 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को हरे निशान पर खुला। सेंसेक्स 807.36 अंकों की बढ़त के साथ 73,800.38 रुपये के स्तर पर

खुला और 740.30 अंक की छलांग के साथ 73,730.23 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 92.85 अंक चढ़कर 22,175.50 अंक पर खुला और 254.65 अंक की बढ़त के साथ 22,337.30 अंक पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 71.90 अंकों की बढ़त के साथ 73,817.34 के स्तर पर खुला और 609.86 अंक उछलकर 74,340.09 पर बंद हुआ। निफ्टी 32.46 अंकों की मजबूती के साथ 22,369.75 के स्तर पर खुला और 207.40 अंक चढ़कर 22,544.70 के स्तर पर पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 62.42 अंक टूटकर 74,296.00 पर खुला और 7.51 अंकों की गिरावट के साथ 74,332.58 स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 7.25 अंक फिसलकर 22,537.45 पर खुला और 7.80 मामूली बढ़त के साथ 22,552.50 स्तर पर बंद हुआ।

भारत की 116 यूनिकॉर्न कंपनियों में 76 सीटें महिलाओं के पास!

बेंगलुरु।

116 भारतीय यूनिकॉर्न कंपनियों की 1,314 बोर्ड सीटों में से 76 सीटें महिलाओं के पास हैं, जो कुल सीटों का 5.8 फीसदी है। शनिवार को जारी ताजा रिपोर्ट में में यूनिकॉर्न इकोसिस्टम में जेंडर डायवर्सिटी को बेहतर बनाने के पर प्रकाश डाला गया है।

इसके विपरीत हाल ही में एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में भारतीय इंक में महिलाओं के पास 18.3 फीसदी बोर्ड सीटें थीं, जबकि वैश्विक औसत 23.3 फीसदी है।

एक प्राइवेट रिसर्च के मुताबिक कंपनी लेवल पर 116 यूनिकॉर्न कंपनियों में से 48 फीसदी के बोर्ड में कम से कम एक महिला निदेशक थीं, जबकि उनमें से केवल 11 फीसदी के पास एक से ज्यादा महिला निदेशक थीं। यह भारतीय यूनिकॉर्न द्वारा बोर्डरूम में जेंडर गैप को पाटने के प्रयासों का नतीजा है। रिसर्च के शोध निदेशक ने कहा कि यह लंबे समय से चला आ रहा है कि वे कंपनियां जिनके पास ज्यादा डायवर्स बोर्ड हैं, वे वित्तीय रूप से बेहतर प्रदर्शन करती हैं। रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि ज्यादा डायवर्स बोर्ड वाली कंपनियां बेहतर वित्तीय प्रदर्शन करती हैं।

विश्लेषण के मुताबिक दूसरे क्षेत्र के यूनिकॉर्न की तुलना में वित्त यूनिकॉर्न में महिला निदेशकों (16) का प्रतिनिधित्व सबसे ज्यादा था। इसके बाद सॉफ्टवेयर (8), खुदरा (7), बीमा (5), यात्रा और आतिथ्य (5), और उभरती हुई टेक्नोलॉजी (4) यूनिकॉर्न का स्थान रहा। कई यूनिकॉर्न अपने बोर्ड में एक से अधिक महिला निदेशकों के साथ बोर्डरूम डायवर्सिटी के प्रति अपने कमिटमेंट के लिए आगे आए हैं। उनके बोर्ड में कई महिलाओं की मौजूदगी ब्रॉडर इकोसिस्टम के लिए एक सकारात्मक उदाहरण पेश करती हैं, जो दर्शाती है कि जेंडर-इंक्लूसिव लीडरशिप संभव है और व्यवसाय के विकास के लिए फायदेमंद है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बोर्डरूम में महिलाओं की रिपोर्ट के मार्च 2024 एडिशन के मुताबिक 2022 से बोर्डरूम में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 3.6 फीसदी बढ़ा है और जेंडर पैरिटी प्राप्त करने की अनुमानित समयसीमा भी सात साल कम हो गई है।

भारत शुल्क कटौती करने पर सहमतः ट्रंप

न्यूयॉर्क ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भारत अपने शुल्क में पर्याप्त कटौती करने के लिए सहमत हो गया है, क्योंकि भारत अमेरिका पर बहुत अधिक शुल्क लगाता है, जिससे वहां उत्पाद बेचना मुश्किल हो जाता है। ट्रंप ने ओवल ऑफिस से दिए बयान में कहा कि आर्थिक, वित्तीय और व्यापारिक दृष्टिकोण से हमारे देश को दुनिया के लगभग हर देश ने पूरी तरह से ठगा है उन्होंने कहा कि कनाडा, मेक्सिको और फिर आप सीधे लाइन में चले जाइए। भारत हम पर बहुत ज्यादा शुल्क लगाता है। आप भारत में कुछ भी नहीं बेच सकते। यह लगभग प्रतिबंधात्मक है। हम अंदर बहुत कम व्यापार करते हैं। ट्रंप ने कहा, वैसे, वे इस बात पर सहमत हो गए हैं कि अब वे अपने शुल्क में कटौती करना चाहते हैं, क्योंकि अब कोई तो उनके किए की पोल खोल रहा है। उन्होंने कहा कि चीन के साथ भी यही बात है। अन्य कई देशों के साथ भी यही बात है, तथा यूरोपीय संघ इस देश का बहुत ज्यादा दुरुपयोग कर रहा है। ट्रंप की यह टिप्पणी उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की उनके अमेरिकी समकक्ष हॉवर्ड लुटनिक के साथ व्यापार वार्ता के लिए अमेरिका यात्रा के बाद आई है। ट्रंप ने इस सप्ताह तीसरी बार भारत द्वारा लगाए गए उच्च शुल्क की आलोचना की है। इससे पहले ट्रंप ने कहा कि भारत बहुत उच्च शुल्क वाला देश है और उन्होंने दोहराया कि अमेरिकी वस्तुओं पर शुल्क लगाने वाले देशों पर जवाबी शुल्क दो अप्रैल से लागू होंगे।

फरवरी में ईवी बिक्री में 18 फीसदी गिरावट

- तिपहिया और यात्री वाहनों में मामूली बढ़त

नई दिल्ली ।

देश में फरवरी के दौरान इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री में कुछ मुश्किलों की वजह से सालाना आधार पर 1.9 प्रतिशत और मासिक आधार पर 18.2 प्रतिशत की गिरावट आई और यह घटकर 1,39,026 रह गई। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। हालांकि ईवी की सभी चार श्रेणियों की बिक्री में मासिक आधार पर दो अंकों में गिरावट दर्ज की गई। लेकिन तिपहिया वाणिज्यिक और यात्री वाहनों में सालाना आधार पर एक अंक में वृद्धि देखी गई। फरवरी के दौरान टीवीएस मोटर, एथर एनर्जी और ओला इलेक्ट्रिक की बिक्री घटकर 18,762, 11,807 और 8,647 रह गई जिससे देश में दोपहिया वाहनों की बिक्री में 22.1 प्रतिशत की गिरावट आई। हालांकि इसी श्रेणी में बजाज ऑटो की मासिक बिक्री में कुछ सुधार नजर आया। सालाना आधार पर बिक्री में 8 प्रतिशत की गिरावट आई। पिछले महीने तिपहिया वाहनों की बिक्री में मासिक आधार पर 11.4 प्रतिशत की गिरावट आई। हालांकि सालाना आधार पर इसमें 4.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई और कुल बिक्री 53,116 रही। ओमेगा सेकी को छोड़कर सभी मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) ने मासिक आधार पर तिपहिया वाहनों की अपनी बिक्री में भारी गिरावट देखी। यात्री वाहनों के मामले में फरवरी के दौरान बिक्री घटकर

8,968 रह गई जबकि एक महीने पहले यह 11,266 थी। हालांकि एक साल पहले की 7,539 बिक्री की तुलना में इसमें इजाफा हुआ है। केवल ह्युंडै मोटर और बीएमडब्ल्यू इंडिया ने मासिक और सालाना दोनों आधार पर खासा इजाफा दर्ज किया। इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री पिछले महीने 856 रही जबकि जनवरी में यह 847 और एक साल पहले 972 थी। इस श्रेणी में मासिक आधार पर 11.9 प्रतिशत की गिरावट देखी गई, लेकिन सालाना आधार पर इसमें 1.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

महिला निवेशकों का औसत एसआईपी आकार पुरुषों से 22 फीसदी अधिकः रिपोर्ट

- महिलाओं की निवेशक भागीदारी 45 फीसदी अधिक

नई दिल्ली ।

एक रिपोर्ट के अनुसार महिला निवेशकों का औसत एसआईपी आकार पुरुषों से 22 फीसदी अधिक है। एकमुश्त निवेश के मामले में भी महिलाओं की निवेशक भागीदारी 45 फीसदी अधिक है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, महिला निवेशक न केवल भागीदारी कर रही हैं, बल्कि सक्रियता के साथ निवेश भी कर रही हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि उन्होंने 1 जनवरी 2024 से लेकर 31 दिसंबर 2024 तक 1 लाख महिला निवेशकों के निवेश पैटर्न का अध्ययन किया है। इस अध्ययन में पाया गया कि 90 फीसदी महिला निवेशकों ने एसआईपी के जरिये उनके प्लेटफॉर्म पर म्युचुअल फंड निवेश की शुरुआत की है। इसके साथ ही, रिपोर्ट में दर्ज है कि करीब 72 फीसदी महिला निवेशक बी30 (शीर्ष 30 को छोड़कर) शहरों से हैं, जिससे प्रमुख शहरों के अलावा

भी फंडों की बढ़ती पहुंच का पता चलता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वाराणसी, रांची, देहरादून, गुवाहाटी और वड़ोदरा जैसे शहरों में महिला निवेशकों की भागीदारी बढ़ रही है, जो पैसा कमाने में उनकी हिस्सेदारी को उजागर करती है।

एलन मस्क पर कानूनी शिकंजा! ट्विटर डील को लेकर कोर्ट में होगी पूछताछ

2022 में ट्विटर की खरीद से जुड़ा है मामला

सैन फ्रांसिस्को ।

एलन मस्क को 3 अप्रैल को वॉशिंगटन डीसी में निवेशकों के वकीलों के सामने पेश होना होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार यह मामला 2022 में ट्विटर की खरीद से जुड़ा है। निवेशकों का आरोप है कि मस्क ने जानबूझकर डील को टालमटोल किया और कंपनी की आलोचना कर ट्विटर के शेयर गिरा दिए। इससे उन्हें सस्ते में सौदा करने का मौका मिला। पहले मस्क के वकील उनकी गवाही को लेकर राजी नहीं थे, लेकिन अब उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया है। मस्क ने ट्विटर खरीद को लेकर कई बार अपना फैसला बदला, जिससे निवेशकों को नुकसान हुआ। आखिरकार, कानूनी लड़ाई के बाद उन्होंने 44 अरब डॉलर में ट्विटर खरीदा और इसे एक्स क्राप नाम से रीब्रांड कर दिया। इस बीच, मस्क अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के सलाहकार के रूप में भी काम कर रहे हैं और अपनी कई कंपनियों से जुड़े कानूनी मामलों में उलझे हुए हैं। सैन फ्रांसिस्को की एक संघीय अदालत ने दिसंबर 2023 में एलन मस्क की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने एक केस को रद्द करने की मांग की थी। जज ने कहा कि मस्क के बयान वास्तविक स्थिति से काफी अलग थे। अमेरिकी सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) ने जनवरी में मस्क पर केस दर्ज किया था। एसईसी का आरोप है कि मस्क ने ट्विटर में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की जानकारी समय पर नहीं दी और शेयरों को गुपचुप तरीके से कम कीमत पर खरीदते रहे। इस वजह से कई निवेशकों ने अपने शेयर सस्ते में बेच दिए और उन्हें 150 मिलियन डॉलर (करीब 1,200 करोड़ रुपये) का नुकसान हुआ। यह मामला यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट, नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट ऑफ कैलिफोर्निया (सैन फ्रांसिस्को) में चल रहा है।

एनएसई-बीएसई के डेरिवेटिव अनुबंधों में टकराव से बदलाव की संभावना

- विश्लेषकों का मानना है कि बीएसई के आय वृद्धि के अनुमानों में कटौती की गई

नई दिल्ली ।

भारत के दो सबसे बड़े शेयर बाजारों एनएसई और बीएसई के बीच निपटान की तारीख पर हैरानी बनी है। एनएसई ने निफ्टी डेरिवेटिव अनुबंधों की एक्सपायरी तारीख में बदलाव की घोषणा की है, जो बाजार में बड़े बदलाव की संभावना ला सकता है। विश्लेषकों का मानना है कि बीएसई के आय वृद्धि के अनुमानों में कटौती की गई है और एनएसई के इस कदम से वह अपनी हिस्सेदारी बढ़ा सकता है। ब्रोकरेज ने बीएसई के आने वाले वित्त वर्ष के आय अनुमानों में कटौती की है और उनके कीमत लक्ष्य को भी कम किया है। शेयर की अर्निंग रेटिंग में भी 40 गुना की घटाव देखने को मिला है। इसके चलते बीएसई का शेयर कारोबार में गिरावट का शिकार हो गया है। बीएसई के प्रबंध निदेशक ने इस स्थिति पर अल्पकालिक प्रतिक्रिया की बात कही है, हालांकि एक्सपायरी दिन में बदलाव को लेकर कोई निर्णय अभी तक नहीं लिया गया है। बीएसई के इस सागर के नमूने के साथ, बाजार में एक नया दौर शुरू हो सकता है। ब्रोकरेज ने बीएसई के वित्त वर्ष 2026 और वित्त वर्ष 2027 के आय अनुमानों में क्रमशः 13.4 प्रतिशत और 11.6 प्रतिशत की कटौती की है और कीमत लक्ष्य भी लगभग 30 प्रतिशत घटाकर 5,160 रुपये कर दिया है, जिससे शेयर की अर्निंग रेटिंग घटकर 40 गुना (पहले 50 गुना) रह गई है। बीएसई का शेयर 4,178 रुपये पर बंद हुआ। पिछले 10 कारोबारी सत्रों में यह शेयर करीब 30 फीसदी गिर चुका है। बीएसई के प्रबंध निदेशक का मानना है कि बाजार में इस तरह के घटनाक्रमों पर अल्पकालिक प्रतिक्रिया होती है, लेकिन उन्होंने इस बात का कोई पक्का जवाब नहीं दिया कि बीएसई अपने एक्सपायरी दिन में बदलाव करेगा या नहीं। उन्होंने कहा कि हम बाजार की प्रतिक्रिया को समझने का प्रयास कर रहे हैं और उसके आधार पर कोई निर्णय ले सकेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चैंपियंस ट्रॉफी क्रिकेट में आज होगा भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबला

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट के फाइनल में रविवार को भारतीय टीम का मुकाबला न्यूजीलैंड से होगा। इसमें दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। भारतीय टीम ने इस बार सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया जबकि न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर फाइनल में जगह बनायी है। भारतीय टीम ने अब तक इस टूर्नामेंट में अपने सभी मुकाबले जीते हैं। वहीं न्यूजीलैंड को लीग स्तर पर भारतीय टीम के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। वहीं आंकड़ों पर नजर डालें तो कीवी टीम का पलड़ा भारी है क्योंकि उसे इसके पहले हुए तीन आईसीसी नॉकआउट मुकाबलों में जीत मिली है। दोनों टीमों का पिछले कुछ साल में आईसीसी टूर्नामेंट में प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है। न्यूजीलैंड की टीम में निरंतरता रही है। वहीं भारतीय टीम ने अपना दबदबा दिखाते हुए साल 2011 से अब तक आईसीसी टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा मैच जीते हैं।

भारतीय टीम इस एक दशक से अधिक समय में 86 में से 70 मुकाबले जीते हैं, जबकि न्यूजीलैंड ने 77 मैचों में 49 मुकाबले जीते हैं।

इससे साफ है कि, मैच जीतने के मामले में भारतीय टीम अपनी विरोधी से कहीं आगे है पर जब बात ट्रॉफी जीतने की आती है, तो टीम इंडिया और न्यूजीलैंड दोनों के पास ही उम्मीद के अनुसार सफलता नहीं रही है। साल 2011 से अब तक 14 आईसीसी प्रतियोगिताएं हो चुकी हैं, जिसमें भारत सिर्फ दो बार ही नॉकआउट स्टेज में नहीं पहुंच पाया है। भारत ने इस दौरान चार सेमीफाइनल खेले हैं और पांच बार टीम उपविजेता रही है। तीन बार भारत ने ट्रॉफी जीतने में सफलता हासिल की है।

वहीं न्यूजीलैंड ने भी निरंतरता दिखाते हुए इस दौरान आठ बार नॉकआउट स्तर पर प्रवेश किया है। उसने चार सेमीफाइनल खेले हैं और तीन बार वह उपविजेता रही है। उसने साल 2021 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में भारत को हराया भी है। दोनों टीमों के ये आंकड़े बेहतरीन हैं। इस अवधि में कोई अन्य टीम इतनी बार सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाई है। साल 2011 से अब तक सबसे ज्यादा नॉकआउट खेलने वाली टीमों में भारतीय टीम अब तक 12 मैचों के साथ शीर्ष पर है। वहीं न्यूजीलैंड ने इस अवधि में

8 बार आईसीसी नॉकआउट मैच खेले और भारत के बाद वह इस मामले में दूसरे स्थान पर बनी हुई हैं जबकि ट्रॉफी जीतने के मामले में पहले नंबर पर रही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इस अवधि में सिर्फ 6 ही नॉकआउट मैच खेले हैं। एकदिवसीय प्रारुप की बात करें तो भारत ने साल 2011 से अब तक 38 ग्रुप स्टेज मैच खेले हैं, जिसमें वह केवल तीन बार ही हारी है और एक मैच टाई रहा है। यह आंकड़ा बाकी सभी टीमों से कहीं बेहतर है। साल 2019 एकदिवसीय विश्वकप में भारत को सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड ने ही हराया था। इसलिए न्यूजीलैंड के खिलाफ नॉकआउट में भारतीय टीम को सावधान रहते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। दोनो ही टीमों के पास बेहतर बल्लेबाज और स्पिनर हैं, ऐसे में मुकाबला रोमांचक होना तय है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत- रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, वॉशिंगटन सुंदर, हार्दिक पंड्या, ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड- मिशेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, मैट हेनरी, टॉम लैथम, डेरिल मिशेल, विलियम ओरोर्के, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, नाथन स्मिथ, केन विलियमसन, विल यंग, जैकब डफी, काइल जेमिसन।

रोहित शर्मा के आगे नई मुसीबत तैयार, जसप्रीत बुमराह की फिटनेस रिपोर्ट ने लाए पसीने

मुंबई (एजेंसी)। भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह जनवरी 2025 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान लगी पीठ के निचले हिस्से की चोट से उबर रहे हैं। ताजा खबर है कि उन्हें चोट से पूरी तरह उभरने में अभी समय लग सकता है। इस कारण वह आईपीएल के पहले दो सप्ताह चूक सकते हैं। यह खबर सीधे तौर पर रोहित शर्मा को परेशान करने वाली हो सकती है। भले ही मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या है लेकिन टीम पर अभी भी रोहित का प्रभाव है। ऐसे में मुख्य तेज गेंदबाज के ऐसे बाहर होने से टीम की परफार्मेंस पर सीधा असर पड़ सकता है। मुंबई पिछले सत्र में 10वें स्थान पर रही थी। अगर इस बार भी उनका मुख्य गेंदबाज न हुआ तो मुसीबत और भी बढ़ सकती है।

सिडनी में पांचवें टेस्ट मैच के दौरान बुमराह को पीठ के निचले हिस्से में चोट लगी थी। कहा गया कि उन्हें पीठ में ऐंठन है। इस चोट के कारण उन्हें पहली पारी में 10 ओवर गेंदबाजी करने के बाद बाहर होना पड़ा। वह दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं कर पाए। नतीजतन वह इंग्लैंड के खिलाफ बाद की सफेद गेंद की श्रृंखला से चूक गए और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से बाहर हो गए, जो भारतीय टीम के लिए एक बड़ा झटका था।

बहरहाल, बुमराह बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (पूर्व में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) में पुनर्वास से गुजर रहे हैं। चोट लगने के तुरंत बाद उन्होंने जिम वर्कआउट और हल्के

गेंदबाजी सत्रों सहित शुरुआती गतिविधियों के साथ अपना पुनर्वास शुरू कर दिया। उनपर बीसीसीआई की मेडिकल टीम द्वारा बारीकी से निगरानी की जा रही है।

हालिया अपडेट से पता चलता है कि बुमराह ने गेंदबाजी फिर से शुरू कर दी है, लेकिन वह अभी भी पूरी तीव्रता से गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं। उन्होंने बीते सप्ताह सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया था जिसमें वह नेट्स पर गेंदबाजी करते दिख रहे थे। हालांकि, रिपोर्ट्स बताती हैं कि उनके मेडिकल स्कैन साफ हैं लेकिन मेडिकल टीम उन्हें प्रतिस्पर्धी क्रिकेट के लिए मंजूरी देने से पहले यह सुनिश्चित करना चाहती है कि वह बिना किसी परेशानी के पूरी क्षमता से गेंदबाजी कर सकें। बुमराह साल 2022 में भी पीठ में फ्रैक्चर से परेशान रहे जिस कारण वह खेल से एक साल बाहर रहे थे। माना जा रहा है कि बुमराह 22 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल 2025 सीजन के पहले दो सप्ताह चूक सकते हैं। यही नहीं, आईपीएल के बाद इंग्लैंड का महत्वपूर्ण दौरा है जहां भारत ने 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है।

चैम्पियंस ट्रॉफी : न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में बड़ी पारी खेलना चाहते हैं शुभमन

दुबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल का लक्ष्य रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफी मुकाबले में विकेट पर रुककर बल्लेबाजी करते हुए बड़ी पारी खेलना है। शुभमन अपना दूसरा आईसीसी टूर्नामेंट फाइनल खेलने जा रहे हैं। वहीं इससे पहले साल 2023 एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में शुभमन बड़ स्कोर नहीं बना पाये थे और केवल चार रन बनाकर आउट हो गये थे। शुभमन अब एकदिवसीयस बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर 1 पर पहुंच गये हैं और दबाव को बेहतर तरीके से संभालने तैयार हैं।

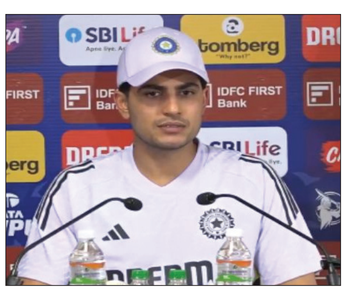

शुभमन ने कहा, तब एकदिवसीय मैच के फाइनल में मेरे मन में कुछ घबराहट थी। शुभमन ने कहा, मैंने बहुत सी चीजें सीखीं। यह मेरा पहला आईसीसी फाइनल था। मैं बहुत उत्साहित था इसलिए उस मैच में संयम नहीं रख पाया। मुझे लगता है कि बड़े आईसीसी नॉकआउट मैचों में, आप जितना सोचते हैं, उससे थोड़ा ज्यादा समय अपने को दे सकते हैं।÷

इस क्रिकेटर ने कहा, हम 2023 में विश्व कप फाइनल हार गए और फिर टी20 विश्व कप 2024 में में जीते। इसलिए मुझे लगता है कि इस टूर्नामेंट में हमारे पास अच्छी गति है। यह हमारे लिए वाकई रोमांचक मैच होगा और निश्चित रूप से, अगर हम इसे जीतने में सफल रहेंगे। जिससे हम इस साल इस प्रारूप का शानदार तरीके से समापन कर सकेंगे। उन्होंने कहा, यह हमारे लिए एक बहुत बड़ा अवसर है हालांकि इस दौरान प्रशंसकों का भी भारी दबाव रहता है।

आईपीएल ट्रॉफी के बिना अधूरा रहेगा विराट कोहली का करियर: एबी डिविलियर्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली का शानदार करियर तब और खास हो जाएगा जब वह आरसीबी को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का खिताब जिताएंगे। यह मानना है दक्षिण अफ्रीका और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स का। विराट कोहली 2008 में आईपीएल की शुरुआत से ही आरसीबी से जुड़े हुए हैं और उन्होंने 140 मैचों में टीम की कप्तानी भी की है। हालांकि, अब तक वह एक भी आईपीएल ट्रॉफी नहीं जीत पाए हैं, जिससे उनकी उपलब्धियों की सूची में यह एक अधूरा सपना बना हुआ है। विराट कोहली आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 252 मैचों में 38.67 की औसत से 8,004 रन बनाए हैं, जिसमें 8 शतक और 55 अर्धशतक शामिल हैं। वह इस टूर्नामेंट में 6,769 रनों के साथ दूसरे स्थान पर मौजूद शिखर धवन से काफी आगे हैं। बावजूद इसके, आरसीबी 17 सीजन में एक भी बार चैंपियन नहीं बन सकी है। टीम 2009, 2011 और 2016 में तीन बार फाइनल में पहुंची थी, लेकिन हर बार उसे हार का सामना करना पड़ा। आईपीएल 2025 की शुरुआत से पहले, डिविलियर्स ने उम्मीद जताई है कि इस बार विराट अपनी टीम के लिए खिताब जीत सकते हैं। उन्होंने एक इवेंट में कहा, ÷विराट के खेल में नयापन और निडरता साफ दिखती है। वह अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलकर नए शॉट्स आजमा रहे हैं और

अपनी बल्लेबाजी को लगातार बेहतर कर रहे हैं। आरसीबी के साथ आईपीएल जीतना उनके पहले से ही शानदार करियर के लिए परफेक्ट फिनिशिंग टच होगा।÷ डिविलियर्स ने पिछले सीजन में कोहली के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि उनका स्ट्राइक रेट कोई समस्या नहीं थी, बल्कि उन्होंने वही भूमिका निभाई जो टीम को उनसे चाहिए थी। उन्होंने कोहली की तुलना दिल्ली कैपिटल्स के फ्रेजर मैकगर्क से करते हुए कहा कि विराट को पारी को संभालने की जिम्मेदारी दी गई थी और उन्होंने इसे बखूबी निभाया। आरसीबी आईपीएल 2025 में अपने अभियान की शुरुआत 22 मार्च को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ करेगी।

डब्ल्यूपीएल : हरमनप्रीत पर मैच फीस का दस फीसदी जुर्माना लगा

लखनऊ ।मुम्बई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर पर यहां के एकाना स्टेडियम में यूपी वॉरियर्स के खिलाफ हुए डब्ल्यूपीएल मुकाबले में आचार संहिता उल्लंघन के लिए जुर्माना लगा है।हरमनप्रीत पर मैच फीस का 10 फीसदी जुर्माना लगाया गया है।हरमनप्रीत ने यूपी के खिलाफ मुकाबले में फील्डिंग नियमों को लेकर अंपायर के फैसले पर असहमति जतायी थी।इस मैच में अंपायर ने धीमी ओवर गति के कारण मुंबई इंडियंस को अंतिम ओवर के लिए अंदरुनी घेरे में केवल तीन फील्डर रखने का आदेश दिया था, इससे हरमनप्रीत सहमत नहीं थीं।हरमनप्रीत के अलावा गेंदबाज कर रही अमेलिया केर ने भी अपनी नाराजगी व्यक्त की थी।ये दोनों जब अंपायर से बात कर रही थीं तो यूपी वॉरियर्स की बल्लेबाज सोफी एक्लेस्टोन भी अंपायर के पास पहुंच गई। इससे हरमनप्रीत भड़क गयीं। बहस बढ़ी तो यूपी वॉरियर्स की कप्तान दीप्ति शर्मा ने किसी प्रकार मामला शांत करवाया।इस मामले में डब्ल्यूपीएल ने आधिकारिक बयान जारी कर लिखा, हरमनप्रीत ने अनुच्छेद 2.8 के तहत लेवल 1 के अपराध को स्वीकार किया है, जो मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताने से संबंधित है।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 : फाइनल में दिखेगा गोल्डन बॉल की रेस रोमांचक

नई दिल्ली ।रविवार को भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। इस महामुकाबले में दोनों टीमें ट्रॉफी पर कब्जा जमाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।क्रिकेट प्रेमियों के लिए यह मैच बेहद खास होने वाला है, जहां हर रन और हर विकेट की कीमत होगी।भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट में शानदार लय में रही है, वहीं न्यूजीलैंड की टीम भी अपने दमदार प्रदर्शन के साथ फाइनल तक पहुंची है।इस खिताबी मुकाबले में जहां एक तरफ टीम इंडिया अपने मजबूत बल्लेबाजी क्रम के दम पर खिताब जीतने की कोशिश करेगी, वहीं न्यूजीलैंड अपनी घातक गेंदबाजी से भारतीय टीम को रोकने की रणनीति बनाएगा।इस मुकाबले में टीमों की जीत के साथ व्यक्तिगत उपलब्धियां भी दांव पर लगी होंगी।

खासतौर पर गोल्डन बैट और गोल्डन बॉल अवॉर्ड की रेस में कुछ खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिल सकती है।गोल्डन बॉल अवॉर्ड उस गेंदबाज को दिया जाता है, जिसने पूरे टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट चटकाए हों।इस समय न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी गोल्डन बॉल की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं।उन्होंने अब तक चार मैचों में 10 विकेट झटके हैं।उनके बाद भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी हैं, जिन्होंने चार मैचों में आठ विकेट लिए हैं।वहीं, भारतीय टीम के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने सिर्फ दो मैचों में सात विकेट लेकर सभी को चौंका दिया है।न्यूजीलैंड के कप्तान और ऑलराउंडर मिचेल सैंटनर भी इस रेस में बने हुए हैं, जिन्होंने अब तक चार मैचों में सात विकेट अपने नाम किए हैं।

कैसे माही की एक सलाह ने मुझे आत्मविश्वास दिलाया: राहुल त्रिपाठी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटर राहुल त्रिपाठी ने बताया कि कैसे पूर्व कप्तान एमएस धोनी की सलाह ने उन्हें 2017 में आईपीएल में पदार्पण के दौरान मदद की। फ्रैंचाइजी के लिए अपने पहले मैच से पहले माही ने त्रिपाठी को शांत करने में मदद की।

उन्होंने कहा, अपना पहला मैच खेलने से दो दिन पहले, मैं ड्रेसिंग रूम में उन्हें देख रहा था। उन्होंने मुझे बुलाकर कहा कि मैं कुछ भी अतिरिक्त करने या सोचने की कोशिश न करूं और मुझे प्रशिक्षण के दौरान जिस तरह से खेल रहा था, उसी तरह खेलने के लिए माही ने कहा। यह देखते हुए कि यह सलाह उस कद के क्रिकेटर से आई थी और यह तथ्य कि मैं अपना पहला मैच खेलने जा रहा था, इससे मुझे बहुत आत्मविश्वास मिला। माही की इस सलाह ने वास्तव में मेरी घबराहट को शांत किया। उन्होंने कहा, मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे उनके साथ समय बिताने का मौका मिला।

क्रिकेट जगत में कई लोगों का सपना होता है कि वे उनके साथ क्रिकेट के अनुभव साझा करें और उनके साथ खेलें। उनके साथ रहकर मैंने देखा है कि वे कितने सरल हैं। लंबे इंतजार के बाद राहुल ने आखिरकार 31 साल की उम्र में जनवरी 2023 में श्रीलंका के खिलाफ टी201 सीरीज के दौरान भारत के लिए अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया। राहुल ने कहा, मैंने कभी हार नहीं मानी। कई बार यह कठिन था और ऐसा लगा कि भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना सपना ही रह जाएगा है। लेकिन मैंने कोशिश करते रहने का फैसला किया और हमेशा विश्वास किया कि एक दिन मुझे वह मौका मिलेगा जिसका मैं इंतजार कर रहा था। और मुझे लगता है कि यह विश्वास ही एक कारण था कि मुझे आखिरकार मौका मिला। यह बहुत ही भावुक क्षण था। टीम के साथ 6-7 घंटे की यात्रा करने के बाद मैं आखिरकार अपना टी20आई डेब्यू करने में सक्षम हो गया। संयोग से, मैंने अपना डेब्यू पुणे में अपने घरेलू मैदान पर किया, जहां मैं बचपन से क्रिकेट खेल रहा हूं। इसलिए मुझे लगता है कि यह सब लिखा हुआ था।

राहुल ने अपनी सफलता का श्रेय पूर्व भारतीय क्रिकेटर और भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच अभिषेक नायर को दिया। कोलकाता नाइट राइडर्स कैंप में नायर के साथ काम करने के अनुभव पर त्रिपाठी ने कहा, मुझे लगता है कि नायर ने मेरी यात्रा में सबसे बड़ा और सबसे महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मैं उन्हें अपना बड़ा भाई मानता हूं। उनसे मिलना मेरे जीवन का बदलाव था।

3 मैच बारिश से धुले, सुरक्षा घेरा टूटा, पर पाक विशेषज्ञ बोले– सफल रहा चैम्पियंस ट्रॉफी आयोजन

कराची (एजेंसी)।बारिश के कारण चैम्पियंस ट्रॉफी के 3 मैच रद्द होने, टीम के बाहर होने के बाद स्थानीय दर्शकों की दिलचस्पी खत्म होने, स्टेडियम तैयार करने पर पानी की तरह पैसा बहाने, हाइब्रिड मॉडल, सुरक्षा के कड़े उपायों के बावजूद पाकिस्तान में विशेषज्ञों का मानना है कि चैम्पियंस ट्रॉफी का आयोजन सफल रहा और भविष्य में यहां और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट हो सकेंगे। सुरक्षा कारणों से भारत के पाकिस्तान में खेलने से इनकार के कारण चैम्पियंस ट्रॉफी का आयोजन हाइब्रिड मॉडल पर हुआ जिसमें भारत ने सारे मैच दुबई में खेले।पाकिस्तान की टीम नॉकआउट चरण में भी नहीं पहुंच सकी।क्रिकेट विश्लेषक ओमेर अलावी ने कहा कि लाहौर में सेमीफाइनल से एक दिन पहले बन्नू में आतंकी हमले की घटना हुई जिसे देखते हुए हमें शुक्र मनाना चाहिए कि इतने बड़े टूर्नामेंट में एक भी अप्रिय घटना नहीं हुई।पाकिस्तान ने कराची, लाहौर और रावलपिंडी में 16000 के करीब पुलिस और अर्धसैनिक बल तैनात कर रखे थे। आस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ, दक्षिण अफ्रीका के तेम्बा बावुमा और न्यूजीलैंड के मिचेल सेंटनेर बोल ही चुके हैं कि पाकिस्तान में कड़े सुरक्षा उपायों के बाद दुबई में खेलकर वह कितनी राहत महसूस कर रहे थे।आईसीसी के सुरक्षा मैनेजर डेव मस्कर ने हालांकि टूर्नामेंट को सफल बताया।उन्होंने कहा कि सुरक्षाकर्मियों का समन्वय और पेशेवरपन बहुत अच्छा था।मैं कहूंगा कि यह सफल आयोजन था।सुरक्षा विश्लेषक सोहेल खान ने कहा कि पाकिस्तान ने अच्छी मेजबानी की और एक भी अप्रिय घटना नहीं घटी।सभी की नजरें हमारे सुरक्षाकर्मियों पर थीं जिन्होंने अपने काम को बखूबी अंजाम दिया।

सभी प्रारूपों में खेलने के लिए तैयार हूं, लेकिन क्लासिकल शतरंज हमेशा राज करेगा : गुकेश

नयी दिल्ली ।शतरंज के बदलते परिदृश्य से बेफिक्र मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश सभी प्रारूपों में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि फ्रीस्टाइल शतरंज जहां रोमांच पैदा करता है वहीं अपने समृद्ध इतिहास के साथ क्लासिकल शतरंज हमेशा सबसे महत्वपूर्ण बना रहेगा।शतरंज में अभी दो वर्ग सामने आ रहे हैं।इनमें एक वर्ग जहां फ्रीस्टाइल का समर्थक है तो दूसरा वर्ग क्लासिकल शतरंज के प्रति वफादार बना हुआ है।इससे शतरंज में विभाजन की संभावना बन गई है।पिछले साल चीन के डिंग लिरेन को हराकर विश्व चैंपियन बनने वाले गुकेश को नहीं लगता है की शतरंज दो गुट में बंट जाएगा। गुकेश ने यहां इंडिया टुडे कॉन्क्लेव 2025 में कहा, ''मैं इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचता। फ्रीस्टाइल काफी रोमांचक है और मैं इसमें खेल कर खुश हूं। लेकिन यह कहना जल्दबाजी होगी कि यह तेजी से आगे बढ़ रहा है।फ्रीस्टाइल में अभी तक केवल दो ही बड़े टूर्नामेंट हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैं चाहता हूं कि फ्रीस्टाइल सशक्त हो जाए लेकिन मुझे नहीं लगता कि यह शतरंज के मूल प्रारूप पर हावी हो जाएगा। क्लासिकल शतरंज का इतिहास और विरासत इसे और अधिक महत्वपूर्ण बनाती है।'' गुकेश ने कहा, ''क्लासिकल, रैपिड और ब्लिट्ज़ के साथ फ्रीस्टाइल का जुड़ना खेल के लिए अच्छा है लेकिन यह देखना बाकी है कि यह प्रारूप कैसे आगे बढ़ता है।मैं सभी प्रारूपों में खेलने के लिए तैयार हूं।'' गुकेश ने इसके साथ ही सात से 14 अप्रैल तक होने वाले फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम टूर के पेरिस चरण के लिए अपनी भागीदारी की पुष्टि की।विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन और गुकेश उन चोटी के 12 ग्रैंडमास्टर में शामिल है जिन्होंने 750,000 डॉलर की पुरस्कार राशि वाले पेरिस चरण में भाग लेने की पुष्टि की है।इस भारतीय खिलाड़ी के लिए विश्व चैंपियन बनने तक की राह आसान नहीं रही और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में खेलने के लिए उन्हें अपने करीबी लोगों से भी पैसा जुटाना पड़ता था।गुकेश ने कहा, ''मुझे याद है कि मेरे माता–पिता के दोस्त मुझे विदेश में टूर्नामेंट खेलने के लिए प्रायोजित कर रहे थे।उस समय यह काफी मुश्किल था और हमें बहुत–बहुत अच्छे और निस्वार्थ लोगों से बहुत मदद मिली।पिछला साल हमारे लिए आर्थिक रूप से बहुत अच्छा था।'' उन्होंने कहा कि परिस्थितियों में बदलाव से न केवल उन्हें बल्कि उनके परिवार को भी राहत मिली है।गुकेश ने कहा, ''मुझे लगता है कि यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है कि मेरे माता–पिता को अब पैसे के बारे में सोचने की ज़रूरत नहीं है।अब हमें पहले की तरह संघर्ष नहीं करना पड़ रहा है और हम आरामदायक जिंदगी जी सकते हैं।

अगर कोई एक टीम भारत को हरा सकती है, तो वह न्यूजीलैंड है: शास्त्री

दुबई (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल से पहले, भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम के लिए चेतावनी जारी की, जो टूर्नामेंट में अपने तीसरे खिताब की तलाश में है। भारत के पास न्यूजीलैंड के खिलाफ ग्रुप स्टेज की जीत सहित अब तक चार मैचों में अपराजित रिकॉर्ड होने के बावजूद, शास्त्री को लगता है कि ब्लैककैप्स एकमात्र टीम है जो उन्हें हरा सकती है।

अनुभवी खिलाड़ी का आकलन गलत नहीं है क्योंकि न्यूजीलैंड ने पिछले कुछ वर्षों में आईसीसी नॉकआउट में भारत पर जीत हासिल की है, उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में उनके बीच खेले गए चार में से तीन मैच जीते हैं।

शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू में कहा, 'अगर कोई एक टीम भारत को हरा सकती है, तो वह न्यूजीलैंड है। इसलिए भारत पसंदीदा के रूप में शुरू होता है, लेकिन केवल थोड़ा सा। शास्त्री ने

फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच के लिए तीन ऑलराउंडर - रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल और ग्लेन फिलिप्स को चुना। 'प्लेयर ऑफ द मैच, मैं किसी ऑलराउंडर को चुनूंगा। मैं भारत से अक्षर पटेल या रवींद्र जडेजा को चुनूंगा। न्यूजीलैंड से, मुझे लगता है कि ग्लेन फिलिप्स में कुछ खास है। वह मैदान में शानदार प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'वह 40, 50 रन की पारी खेल सकते हैं और शायद एक या दो विकेट लेकर आपको चौंका सकते हैं।'

शास्त्री ने भविष्यवाणी की कि अगर उनकी टीमें खिताब जीतती हैं तो विराट कोहली, केन विलियमसन और रचिन रवींद्र रविवार को अहम भूमिका निभाएंगे। विलियमसन और कोहली दोनों ही शानदार फॉर्म में हैं, दोनों ने अपने चार मैचों में एक शतक और एक अर्धशतक लगाया है। रवींद्र भी असाधारण रहे हैं, उन्होंने दो शतक बनाए हैं, जिसमें सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ प्लेयर ऑफ द मैच की जीत शामिल है।

शास्त्री ने कहा, ÷अब मौजूदा फॉर्म की बात करें तो कोहली। जब ये खिलाड़ी शानदार फॉर्म में होते हैं और आप उन्हें अपने पहले 10 रन बनाने देते हैं, तो वे मुसीबत बन जाते हैं। चाहे वह विलियमसन हों या कोहली।इसलिए न्यूजीलैंड से मैं विलियमसन का नाम लूंगा। एक हद तक रचिन रवींद्र, वह एक शानदार युवा खिलाड़ी हैं। लेकिन जब ये खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करते हैं और आप उन्हें फाइनल में 10-15 रन बनाने देते हैं, तो वे दोगुने खतरनाक हो जाते हैं।'

दुबई में होने वाले फाइनल मैच के साथ - एक ऐसा मैदान जो पूरे टूर्नामेंट में स्पिनरों के लिए मददगार रहा है - शास्त्री से पूछा गया कि क्या कोई भी टीम अपनी प्लेइंग इलेवन में बदलाव कर सकती है, खासकर न्यूजीलैंड, जो इसी मैदान पर भारत के खिलाफ ग्रुप-स्टेज मैच हार गया था। शास्त्री ने कहा, 'मुझे आश्चर्य नहीं होगा अगर पिच के आधार पर दोनों में से किसी भी टीम के लिए कोई बदलाव हो। क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हमने जो पिच देखी थी, वह टूर्नामेंट में अब तक की सबसे अच्छी पिच थी।' उन्होंने कहा, ÷इसलिए ग्राउंड्समैन के पास पिछले मैच के बाद से सतह तैयार करने के लिए पांच दिन और हैं और अगर यह पिछली बार की तरह 280-300 की सतह है, तो आप इसके बारे में सोचना चाहेंगे। लेकिन आप तब तक टीम में बदलाव नहीं करेंगे जब तक कि जरूरी न हो।'

रॉयल्स ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर पिंक प्रॉमिस जर्सी लॉन्च की

जयपुर ।राजस्थान रॉयल्स ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को पिंक प्रॉमिस जर्सी लांच की है।रॉयल्स ने आईपीएल 2025 में होने वाले अपने मुकाबले के लिए ये गुलाबी जर्सी लांच की।रॉयल्स का लक्ष्य इस जर्सी को लांच कर राजस्थान में महिलाओं के नेतृत्व वाले परिवर्तन का समर्थन करना है।इस प्रतिबद्धता को सबसे बड़े मंच पर ले जाते हुए रॉयल्स की टीम एक मई को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ पिंक प्रॉमिस मैच की मेजबानी भी करेगी। रॉयल्स ने इसी को लेकर कहा, रॉयल्स की सीएसआर शाखा रॉयल राजस्थान फाउंडेशन (आरआरएफ) ने भी एक शक्तिशाली पिंक प्रॉमिस अभियान फिल्म, औरत है तो भारत है के लॉन्च के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया।गौरतलब है कि पिछले साल, पिंक प्रॉमिस अभियान ने ल्यूमिनस कंपनी के समर्थन से 250 से अधिक घरों में रोशनी लाकर हजारों लोगों के जीवन को रोशन किया था।

रहस्यमयी कमरुनाग झील

भारत का पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश अपने पौराणिक महत्त्व के साथ-साथ रहस्यों का गढ़ भी माना जाता है। बर्फ की चादर ओढ़े यहां कई ऐसी जगहें मौजूद हैं, जिनका प्राचीन इतिहास अपने अंदर कई गहरे राज्य समेटे हुए है। यही नहीं यहां के कुछ स्थलों की पहचान तो महाभारत काल से की गई है, वहीं कुछ स्थल अब भी रहस्यमयी बने हुए हैं। इन रहस्यों में छिपे अरबों-खरबों के खजाने के राज।
हिमाचल प्रदेश में ऐसी एक झील है, जिसमें अरबों-खरबों का खजाना छिपा हुआ है। हालांकि, अब तक किसी ने इस झील से खजाना निकालने की कोशिश नहीं की है।
हम किसी भूखंड की नहीं, बल्कि हिमाचल में मौजूद एक ऐसी झील की बात करेंगे, जहां अरबों-खरबों का खजाना गढ़े होने की बात कही जाती है। कमरुनाग झील हिमाचल की प्रमुख झीलों में से एक है। यह मंडी घाटी की तीसरी प्रमुख झील है। इस झील का नाम घाटी के देवता कमरुनाग के नाम पर पड़ा है। जहां जून माह में विशेष मेले का आयोजन होता है। धार्मिक मान्यता है कि प्रतिवर्ष 14-15 जून को बाबा कमरुनाग पूरी दुनिया में दर्शन देते हैं। यूं तो दुनियाभर से लोग हिमाचल प्रदेश की खूबसूरत वादियों को देखने के लिए आते हैं। यहां ऐसे कई खूबसूरत नजारें मौजूद है, जिन्हें देखने के बाद विदेशी क्या देसी लोग भी दीवाने हो जाते हैं। मण्डी से करीब 60 किलोमीटर की दूरी पर रोहांडा के घने जंगलों में स्थित कमरुनाग झील में अरबों का खजाना छुपा है। हालांकि झील के गर्भ से अब तक किसी ने इस खजाने को निकालने की हिम्मत नहीं की। इसका कारण बेहद ही चौंकाने वाला है। दरअसल, यहां एक बहुत ही मशहूर मंदिर है और इसी मंदिर के पास कमरुनाग झील है।

हिमाचल प्रदेश में ऐसी एक झील है, जिसमें अरबों-खरबों का खजाना छिपा हुआ है। हालांकि, अब तक किसी ने इस झील से खजाना निकालने की कोशिश नहीं की है। हम किसी भूखंड की नहीं, बल्कि हिमाचल में मौजूद एक ऐसी झील की बात करेंगे, जहां अरबों-खरबों का खजाना गढ़े होने की बात कही जाती है।

जून माह में विशेष महत्व

इस स्थल का जून माह में विशेष महत्व है। दरअसल जून के महीने में यहां एक विशेष मेले का आयोजन होता है। धार्मिक मान्यता है कि प्रतिवर्ष 14-15 जून को बाबा कमरुनाग पूरी दुनिया में दर्शन देते हैं। इस खास मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा के दर्शन को पहुंचते हैं।

मनोकामना के लिए चढ़ाए जाते हैं हीरे-जवाहरात

कहा जाता है कि जो भी भक्त मंदिर में दर्शन करने आते हैं, वो इस झील में सोने-चांदी के गहने और रुपये-पैसे डालते हैं। दूर-दूर से आए लोग मनोकामना पूरी होने पर झील में करंसी, नोट, हीरे-जवाहरात चढ़ाते हैं। महिलाएं सोने चांदी के जेवर इस झील को अर्पित कर देती हैं। यह झील आभूषणों से भरी है। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है। इसी परंपरा के आधार पर यह माना जाता है कि इस झील में अरबों का खजाना है।

भेंट चढ़ाने का भी निश्चित समय

झील में अपने आराध्य के नाम से भेंट चढ़ाने का भी एक शुभ समय है। जब देवता को कलेबा लगेगा अर्थात भोग लगेगा, तब ही झील में भेंट डाली जाती है।

अरबों का खजाना, फिर भी नहीं सुरक्षा का प्रबंध

झील में अरबों की दौलत होने के बावजूद सुरक्षा का कोई प्रबंध नहीं है। लोगों की आस्था है कि कमरुनाग इस खजाने की रक्षा करते हैं। देव कमरुनाग मंडी जिला के सबसे बड़े देव हैं।

फूलों की अनूठी परेड

नीदरलैंड का छोटा-सा कम आबादी वाला शहर है जनडर्ट। यहां राष्ट्रीय स्तर की फ्लावर परेड और प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। ट्यूलिप का मौसम आते ही नीदरलैंड में मानों फूल ही फूल नजर आने लगते हैं। देश का प्रसिद्ध बल्ब फ्लावर सेलिब्रेशन होता है जिसमें हर साल फूलों की परेड निकाली जाती है और यह सिर्फ परेड नहीं होती बल्कि सबसे बेहतर मॉडल तैयार करने का कॉम्पीटिशन भी होता है। यह कॉम्पीटिशन 1936 से ही इसी तरह हर साल आयोजित होती रही है। वैसे तो यह कार्यक्रम सितंबर महीने के फर्स्ट वीक में होता है, लेकिन इसकी तैयारियां मई और जून से ही शुरू हो जाती है। पूरे नीदरलैंड से लोग इसमें हिस्सा लेने तो पहुंचते ही हैं लेकिन जनडर्ट शहर के लोगों के लिए यह किसी फेस्टिवल से कम नहीं होता। इसमें हर एज ग्रुप के लोग चाहे बच्चे हों या बूढ़े, बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

नीदरलैंड का छोटा-सा शहर है जनडर्ट, भले ही यह शहर आकार और आबादी में छोटा हो, लेकिन यहां राष्ट्रीय स्तर की फ्लावर परेड और प्रतियोगिता आयोजित की जाती है, जिसमें पूरे देश के आर्टिस्ट अपने मॉडल के साथ परेड करते हैं और जिनका मॉडल सबसे बेहतर होता है उन्हें प्राइज दिया जाता है।

कैसे होती है तैयारियां

- मॉडल्स वायर, कार्डबोर्ड और हजारों डहेलिया फूलों से तैयार किए जाते हैं, जो खासतौर से परेड के लिए उगाए जाते हैं।
- फूलों से जो मॉडल तैयार किए जाते हैं उसकी पहली शर्त होती है कि वो कलरफुल और ब्राइट होने चाहिए। साथ ही जो फूल मॉडल के ऊपर लगाए जाते हैं वो तीन दिन पहले लगाए जाने चाहिए उससे पहले नहीं।
- मॉडल के ऊपर डहेलिया लगाने के काम में हजारों वॉलेंटियर दिन-रात काम करते हैं।
- सबसे बेहतरीन मॉडल चुनने के लिए ज्यूरी होती है जो विनर का नाम सिलेक्ट करती है।

फूल उगाना बुजुर्गों का काम

मॉडल को तैयार करने के लिए अलग-अलग रंगों के सिर्फ डहेलिया फूलों को ही यूज करते हैं। फूलों को उगाने का काम जहां बुजुर्ग करते हैं वहीं यंगस्टर्स मॉडल की डिजाइनिंग और उसके कंसेप्ट पर काम करते हैं। यानी हर उम्र के लोग इस फेस्टिवल का हिस्सा बनते हैं।

एक तरह का छलावा है थ्री डी आर्ट

सालों पहले जब थ्री डी मूवीज थियेटर्स में आई थीं तब स्पेशल चश्मे से उन्हें देखने वाले दर्शक किसी जादू की तरह फील करते थे।

सालों पहले जब थ्री डी मूवीज थियेटर्स में आई थीं तब स्पेशल चश्मे से उन्हें देखने वाले दर्शक किसी जादू की तरह फील करते थे। जैसे जादू आंखों का धोखा है ठीक वैसे ही थ्री डी आर्ट भी एक तरह का छलावा है। यानी यहां जो जैसा दिखता है वो जरूरी नहीं कि वैसा ही हो। दुनियाभर में आज इस आर्ट को लेकर कई तरह के प्रयोग हो रहे हैं। पेंटिंग, स्कल्पचर, पेपर और अन्य माध्यमों में थ्री डी आर्ट को प्रस्तुत किया जा रहा है। चलो इस दुनिया की सैर करते हैं।

जादू भरी करामात

थ्री डी आर्ट के मामले में असल चीज आर्टिस्ट की कल्पना ही है। इसी पर सारा जादू डिपेंड करता है। असली रंग, पेपर और मूर्तिकला के सामान के साथ ये आर्टिस्ट अनोखा संसार रच डालते हैं। जैसे किसी सड़क के बीच में बहती असली सी नदी या पेपर के एक टुकड़े पर रेंग रहा सांप। इसमें चीजों का एंगल जादू क्रिएट करने का काम करता है। यानी सामान्य पेंटिंग्स को भी कलाकार ऐसे एंगल के साथ प्रस्तुत करते हैं कि वो लाइव और एक्शन में दिखाई देता है। प्रस्तुत हैं ऐसे कुछ आर्टिस्ट-

चॉक से खड़ी तस्वीरें

लियोन कीर एक ऐसे थ्री डी आर्ट के महारथी हैं जो अपनी कला के जरिए लोगों तक पर्यावरण के संरक्षण से लेकर आम जीवन में भी इमोशंस को बनाए रखने का सन्देश पहुंचाते रहते हैं। नीदरलैंड के रहने वाले लिओन देश-विदेश में कई जगह टू डी और थ्री डी स्ट्रीट आर्ट को प्रेजेंट कर चुके हैं। सैनिकों के वेश में बच्चों के खिलौने लेगो सिटी के जैसी भी आकृतियां उन्होंने बनाई जिसे लोगों ने खूब पसंद किया। चॉक से बनाई गई यह लेगो टेराकोटा आर्मी एक इंटरनेशनल चॉक फेस्टिवल का हिस्सा रही है।

इनकी क्रिएटिविटी ने रचा इतिहास

जोए हिल और मैक्स लॉरी, थ्री डी आर्ट की फील्ड में एक ऐसा नाम बन गए हैं जिनकी पेंटिंग गिनीज बुक में भी शामिल की जा चुकी है। इतिहास रचने वाली ये पेंटिंग सबसे लम्बी और सबसे बड़ी पेंटिंग के तौर पर गिनीज बुक में शामिल हुई। ये दोनों ब्रिटिश आर्टिस्ट पिछले लगभग 10 सालों से इस फील्ड से जुड़े हैं। परियों की कहानियों से लेकर प्रिंस विलियम की शादी, निंजा टर्टल जैसे सुपर कैरेक्टर्स और असली दिखने वाले वॉटरफॉल जैसी कई आकृतियां ये दोनों दुनियाभर में घूम कर रचते रहे हैं। इसके अलावा वो कई सारे एड और मूवी प्रोजेक्ट्स के साथ भी जुड़े हुए हैं।

राजा की परेशानी

राजा ने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। विचार होने लगा कि चोर को क्या सजा दी जाए? चोर के हाथों एक व्यक्ति की हत्या हुई थी। काफी विचार होने के बाद भी कुछ तय नहीं हो सका। इससे पहले ऐसा अपराध किसी ने किया भी नहीं था। इसी से किसी की समझ में कुछ नहीं आ रहा था कि उसे क्या सजा दी जाए?

एक छोटा सा राज्य था। कुल दस-पांच हजार की आबादी रही होगी। जब राज्य था, आबादी थी, तो एक राजा भी था। भले ही छोटा राजा। वैसे भी जब राज्य था, तो सेना, मंत्री, सभासद भी थे।
इस राज्य में पहले अदालतें भी थीं। लेकिन वहां का राजा और प्रजा सभी शांतिप्रिय थे। कभी किसी से किसी का लड़ाई-झगड़ा नहीं होता था। इसलिए फिजूलखर्ची समझ अदालतें बंद कर दी गईं। अपने पड़ोसी राज्यों से राजा के बड़े मित्रतापूर्ण संबंध थे। इसलिए सेना के नाम पर केवल सौ-सवा सौ सैनिक थे। किसी के भी पास तलवार-बंदूकें नहीं थीं। सबके हाथ में बस एक बेंत रहती थी। शांति बनाए रखने के लिए इतना काफी था।
एक बार राजा एक विचित्र परेशानी में फंस गया। राज्य में पहली बार एक व्यक्ति किसी के घर में चोरी के लिए घुसा। संयोग से वहां मारपीट हो गई। चोर के हाथों एक व्यक्ति मारा गया। सैनिक चोर को पकड़कर राजा के पास ले गए।
राजा ने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। विचार होने लगा कि चोर को क्या सजा दी जाए? चोर के हाथों एक व्यक्ति की हत्या हुई थी। काफी विचार होने के बाद भी कुछ तय नहीं हो सका। इससे पहले ऐसा अपराध किसी ने किया भी नहीं था। इसी से किसी की समझ में कुछ नहीं आ रहा था कि उसे क्या सजा दी जाए?
अचानक एक मंत्री बोला, महाराज, पड़ोस के राज्य में अदालतें हैं। जरूर वहां इस तरह के मामले आते होंगे। क्यों न इस चोर को दंड के निर्णय के लिए वहीं भेज दिया जाए।
राजा को यह सुझाव जंच गया। चोर को वहां भेजकर पड़ोसी राजा से एक फैसला लेने की प्रार्थना की गई। राजा की परेशानी टल गई। लेकिन दो दिन बाद ही चोर के साथ राजा की परेशानी फिर लौट आई। पहले से बड़ी होकर। वहां की अदालत ने फैसला दिया, 'चूंकि इस चोर ने हत्या की है। इसलिए इसका सिर कलम कर दिया जाए।' अब राजा के यहां कोई जल्लाद नहीं था। सैनिकों से कहा गया, तो उन्होंने साफ जवाब दे दिया, हमने किसी की इस तरह हत्या करना नहीं सीखा है। फिर हम इसके लिए रखे भी नहीं गए हैं। हमारे पास एक तलवार क्या, चाकू तक नहीं है।
राजा ने परेशान होकर फिर मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। कई दिनों तक विचार मंथन हुआ। अंत में सब लोग इस नतीजे पर पहुंचे कि क्यों न इस चोर की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया जाए। राजा की परेशानी फिर टल गई।
मगर राज्य में कोई जेल नहीं थी, जहां सजा पाए अपराधी को रखा जाए। इसलिए एक कोठरी बनवाई गई। चोर को उसमें रखा गया। एक पहरेदार नियुक्त किया गया। वह चोर की निगरानी करता था। राजमहल से उसके लिए भोजन भी ले आता था।
राज्य की आमदनी बहुत मामूली थी। राजा के लिए इस पहरेदार का खर्च उठाना भारी पड़ गया। अब इस परेशानी से कैसे मुक्ति मिले? राजा ने फिर मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। तय हुआ कि पहरेदार को हटा लिया जाए। चोर जहां जाना चाहे जाए। इस मुसीबत से छुटकारा पाने का यही एक उपाय था। अगले दिन चोर की नींद खुली, तो उसने देखा कि वहां पहरेदार नहीं था। दरवाजे भी खुले हुए थे। जब कोई और उसका भोजन लेकर नहीं आया, तो वह स्वयं थाली लेकर राजमहल पहुंच गया। फिर तो उस का रोज का यही काम हो गया। राजभवन से भोजन ले आता। फिर खा-पीकर चैन की नींद सो जाता। इस खर्च से राजा की परेशानी फिर बढ़ गई। उसने चोर को कहलवाया, अब तुम आजाद हो। जहां चाहो, भाग जाओ। कोई कुछ नहीं बोलेगा।
मगर चोर ने जवाब दिया, मैं भागकर अब कहां जाऊं? लोग मुझे देखते ही गालियां देंगे। मुझे मारने दौड़ेंगे। मुझे मौत की सजा क्यों नहीं दी गई?
राजा की परेशानी बढ़ी, तो उसने फिर मंत्रियों से सलाह ली। मंत्रियों ने सोच-विचारकर कहा, महाराज, इस का भोजन-पानी बंद कर दीजिए। भोजन नहीं मिलेगा, तो स्वयं कहीं निकल जाएगा। लेकिन चोर भी जाने को तैयार नहीं हुआ। वह भूखा-प्यासा ही रहने लगा। चोर ने लोगों से गुहार लगाई। वहां के लोगों को लगा कि उस व्यक्ति को इस तरह भूखा रखना तो सचमुच राजा का अन्याय है। उन्होंने राजा से इस बारे में पूछा। राजा ने स्वयं की परेशानी बताई।
बहुत सोच-विचार के बाद लोगों ने राजा से कहा, राजन, एक उपाय है। इस चोर को भोजन देने में आपको कोई आपत्ति नहीं होगी। इसने गैर इरादतन जो हत्या की है, उसका प्रायश्चित भी हो जाएगा। लोग इसका सम्मान भी करेंगे।
वह क्या? राजा ने प्रसन्नता से पूछा।
राजन, पिछले दो साल हमारे यहां अच्छी वर्षा नहीं हुई। इससे मार्गों के किनारे लगे अधिकांश वृक्ष सूख गए। जनता को यात्रा में बड़ा कष्ट होता है। आप इससे मार्गों के किनारे छायादार और फलों वाले वृक्ष लगवाएं। उसके बदले इसे रोजी-रोटी मिलेगी और पूरे राज्य का भला होगा। प्रजा भी इसको यह नेक काम करते देख, गालियां नहीं देगी। इसका आदर करेगी। इसके मन में भी फिर कभी अपराध न करने की भावना पैदा होगी।
राजा और उसका मंत्रिमंडल इस सुझाव से पूरी तरह संतुष्ट हुए। चोर को भी अच्छा लगा। काम मिला, रोटी मिली, लोगों का प्यार मिला। राजा को भी एक बड़ी परेशानी से मुक्ति मिल गई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूनुस पर भड़के भारत ने कहा- आतंकियों को रिहा कर बांग्लादेश को आग में झोंक दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पड़ोसी देश बांग्लादेश में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर भारत चिंतित है, जो गंभीर अपराधों के लिए सजा पाए हिंसक चरमपंथियों की रिहाई से और भी खराब हो गई है। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार चरमपंथी तत्वों को बरी और दोषमुक्त करने के लिए कड़ी आलोचना का सामना कर रही है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को नई दिल्ली में साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा, हम एक स्थिर, शांतिपूर्ण, और प्रगतिशील बांग्लादेश का समर्थन करते हैं जिसमें सभी मुद्दों का समाधान लोकतांत्रिक तरीकों से और भागीदारीपूर्ण चुनावों के माध्यम से किया जाता है। जायसवाल ने कहा, हम बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति के बारे में चिंतित हैं, जो गंभीर अपराधों के लिए सजा पाए हिंसक चरमपंथियों की रिहाई से और भी खराब हो गई है।जायसवाल ने कहा, जैसा कि अब तक देखा गया है, 5 अगस्त 2024 और 16 फरवरी 2025 के बीच रिपोर्ट की गई 2374 घटनाओं में से केवल 1254 की ही पुलिस द्वारा पुष्टि की गई है। इसके अलावा, इन 1254 घटनाओं में से 98 प्रतिशत राजनीतिक प्रकृति की मानी गईं। हम उम्मीद करते हैं कि बांग्लादेश पूरी तरह से जांच करेगा, हत्या, आगजनी और हिंसा के सभी अपराधियों को बिना किसी भेदभाव के न्याय के कटघरे में लाएगा। 5 अगस्त 2024 को तत्कालीन पीएम शेख हसीना को अपनी सत्ता छोड़ भारत भागना पड़ा था। इसके बाद से बांग्लादेश में कानून व्यवस्था लगातार खराब होती जा रही है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदू और अहमदिया समुदायों के सदस्यों पर हमलों का सिलसिला अभी भी जारी है, ऐसे में विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बार फिर इस गंभीर मुद्दे को उठाया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, हमने बार-बार इस बात को रेखांकित किया है कि हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के साथ-साथ उनकी संपत्तियों और धार्मिक संस्थानों की सुरक्षा करना बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की जिम्मेदारी है।

दिल्ली अयोध्या एक्सप्रेस में बम की सूचना, तलाशी के बाद की गई रवाना

बाराबंकी (एजेंसी)। इस ट्रेन को लखनऊ चारबाग स्टेशन पर बम से उड़ा दिया जाएगा। मिनी आरडीएक्स रखा है। संदेश को फेक न समझें। 7 मार्च दोस्त मैं मजबूर हूं, पुलिस को बता दो, हजारों जाने जा सकती हैं। अब्दुल्ला अंसारी मुरादाबाद, बम डबल बैग में रखा है। ये डरावनी पंक्तियां दिल्ली अयोध्या एक्सप्रेस के कोच एस 8 के टॉयलेट में लिखी हुई देखी गई थीं। इसके बाद हड़कंप मचा और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना की तलाशी के दौरान सभी डिब्बों को चेक किया गया। इस दौरान एस 5 में डबल बैग रखा मिला और उस पर तकिया भी रखा था। पर उसके साथ कोई था नहीं। इस पर पुलिस ने फिर से कवायद शुरू की और उसके आसपास सीट पर बैठे लोगों को तलाशा। एक यात्री ने बताया कि इस बैग पर सिर रखकर एक व्यक्ति सो रहा था। वह नीचे उतर गया है। इस पर उसकी तलाश की गई, तो वह व्यक्ति भी मिल गया।

पेट्रोल के लिए पैसा नहीं दिया तो विदेशी टूरिस्ट और होमस्टे मालकिन से किया दुष्कर्म

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के हम्पी में एक इजरायली महिला टूरिस्ट और एक होमस्टे मालिकन के साथ तीन लोगों ने गैंगरेप किया। घटना 6 मार्च की रात करीब 11:30 बजे तुंगभद्रा नहर के किनारे हुई जब महिलाएं नहर के किनारे बैठीं थी। तभी तीन आरोपी बाइक पर वहां पहुंचे। पहले उन्होंने पूछा कि पेट्रोल कहां मिलेगा और फिर इजरायली महिला से 100 रुपए मांगने लगे। जब टूरिस्ट ने मना कर दिया, तो आरोपियों ने हमला कर दिया और महिलाओं के साथ रेप कर बाइक से फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक आरोपियों की तलाश जारी है कोप्पल के एसपी राम एल अरासिड्डी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी गई। दो विशेष टीमें आरोपियों की तलाश में जुटी हैं। आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस ने रेप और लूटपाट की धाराओं में मामला दर्ज किया है। महिला के साथ मौजूद तीन अन्य टूरिस्ट भी मौजूद थे, इनमें से एक डेनियल अमेरिका से था, जबकि दो अन्य महाराष्ट्र और ओडिशा से थे। आरोपियों ने तीनों को नहर में धक्का दे दिया। जिसमें ओडिशा में रहने वाला शख्स की पानी में डूबकर मौत हो गई। होमस्टे की मालकिन ने शिकायत में बोलीं की वह और उसके चार मेहमान उस रात देर से खाना खाने के बाद तुंगभद्रा लेफ्ट बैंक नहर के किनारे तारों को देखने गए थे।

महिलाएं हो रही आर्थिक रूप से स्वतंत्र, केरल लिख रहा इसकी नई कहानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज विश्व महिला दिवस के मौके पर ये कहने में कोई गुरेज नहीं हैं कि देश की महिलाएं अब पहले के मुकाबले अपने अधिकारों को लेकर ज्यादा सजग हैं। महिलाएं सशक्त होने के साथ आर्थिक रूप से भी स्वतंत्र हो रही हैं। हालांकि, इस मामले में केरल की महिलाएं सबसे आगे हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं, बल्कि नीति आयोग की एक रिपोर्ट कह रही है। नीति आयोग की रिपोर्ट में देश भर में महिलाओं के बीच बढ़ रही वित्तीय स्वतंत्रता पर प्रकाश डाला गया। रिपोर्ट में बताया गया कि किस तरह से केरल की महिलाएं बेहतर तरीके से अपने क्रेडिट प्रोफाइल को संभाल रही है। देश की महिला उधारकर्ताओं में इनकी हिस्सेदारी 6 प्रतिशत है। जबकि इस मामले में पूरे देश में ये छठवें स्थान पर हैं। वित्तीय समावेशन और सशक्तिकरण के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को दिखाता है, जबकि केरल की जनसंख्या अन्य कई बड़े राज्यों के मुकाबले अपेक्षाकृत कम है। इससे साफ है कि लोन बाजार में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ रही है। महिला कर्जदारों की संख्या महाराष्ट्र में सबसे अधिक 15 प्रतिशत है। इसके बाद 11 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ तमिलनाडु दूसरे स्थान पर, 9 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ कर्नाटक तीसरे स्थान पर हैं। उत्तर प्रदेश और तेलंगाना की हिस्सेदारी 7 प्रतिशत है। रिपोर्ट में कहा गया हैं कि राज्य में 44 फीसदी महिलाओं ने छह महीने में अपने क्रेडिट स्कोर में सुधार देखा है।

महिला दिवस के मौके पर उनकी हिम्मत को सलाम

चार साल में पांच करीबियों की मौतें, फिर डिप्रेशन... लेकिन आठ साल बाद राष्ट्रपति बनी द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 1983, घने जंगलों के बीच बसे आदिवासी गांव की एक महिला सिंचाई विभाग में क्लर्क थीं और उनके पति निजी बैंक में जॉब करते थे। दोनों की नौकरी अलग-अलग राज्यों में थी। इसकारण नौकरी के साथ-साथ 3 साल की बेटी की देखभाल करना महिला के लिए परेशानी भरा काम था।

इसी बीच एक रोज निमोनिया से बेटी की जान चली गई। इसके बाद ससुराल वाले महिला पर लगातार नौकरी छोड़ने का दबाव बना रहे थे। ससुरालवालों के दबाव में आकर आखिरकार महिला ने सरकारी नौकरी छोड़कर पति के साथ रहने लगी। 27 साल बाद यानी 25 अक्टूबर 2010 की बात है। उस महिला का बड़ा बेटा रात को पार्टी से लौटा, सुबह उसकी तबीयत बिगड़ गई। अस्पताल पहुंचते-पहुंचते बेटे ने दम तोड़ दिया। करीब ढाई साल बाद जनवरी 2013 में महिला का छोटा बेटा भी सड़क हादसे में गुजर गया। कुछ महीने बाद महिला के मां और भाई भी मौत हो गई। 19 महीने

बाद यानी अगस्त 2014 में महिला के पति की मौत हो गई। चार साल के भीतर पांच मौतें होने से महिला डिप्रेशन में चली गईं, लेकिन आठ साल बाद यानी 25 जुलाई 2022 को वहीं महिला भारत के सबसे ऊंचे पद पर पहुंचीं। उस बुलंद हौसले वाली महिला कोई और नहीं हमारी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू है।

ओडिशा के मयूरभंज जिले के रायरंगपुर से करीब 25 किलोमीटर दूर गांव है उपरबेड़ा है। घने जंगलों के बीच बसे गांव की आबादी करीब 3 हजार होगी। 1958 की बात है। उपरबेड़ा और आसपास के इलाकों में मानसून ने दस्तक दे दी थी, लेकिन वहां कई दिनों से बारिश नहीं हो रही थी। संथाली परंपरा के मुताबिक बारिश के लिए बिरंची नारायण ने घर के पिछवाड़े बरगद के पेड़ के नीचे एक मिट्टी का बर्तन रखा। लोग उसे पुति कहते हैं। पुति रखने के ठीक एक हफ्ते बाद 20 जून 1958 को बिरंची टुडू को एक बेटी हुई। संयोग से बच्ची के जन्म के बाद इलाके में बारिश भी होने लगी। एक साथ बिरंची को दोहरी खुशी मिली। उन्होंने बेटी का नाम रखा पुति।

एक इंटरव्यू में राष्ट्रपति मुर्मू बताती हैं कि संथाली परिवार में बेटी का नाम दादी के नाम पर रखा जाता है, ताकि दादी के मरने पर भी उनका नाम जिंदा रहे। इसलिए मेरा एक नाम दुर्गी भी था, लेकिन ये नाम मेरे शिक्षक को पसंद नहीं था, तब उन्होंने मेरा नाम द्रौपदी रख दिया।'

दिल्ली सरकार की महिला समृद्धि योजना को आतिशी ने पीएम मोदी का जुमला करार दिया

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी की रेखा गुप्ता सरकार ने दिल्ली में महिला समृद्धि योजना लागू करने का ऐलान किया है। इसके साथ लाखों पात्र महिलाओं को योजना के तहत हर माह 2500 रुपये मिलने है। लेकिन योजना पर अब आम आदमी पार्टी की प्रतिक्रिया आ गई है। नेता प्रतिपक्ष

आतिशी ने इस योजना को पीएम मोदी का जुमला करार दिया है। आतिशी का कहना है, दिल्ली चुनाव से पहले पीएम मोदी ने महिलाओं से वादा किया था कि 8 मार्च से हर महीने उनके बैंक खाते में 2500 रुपये आएंगे। उन्होंने कहा था कि यह मोदी की गारंटी है। 8 मार्च को महिलाएं फोन पर संदेश आने का इंतज़ार करती रहीं। बीजेपी सरकार ने साबित कर दिया कि वहां मोदी की गारंटी नहीं बल्कि एक जुमला था। सिर्फ पैसे नहीं बल्कि एक योजना तक नहीं मिली। रजिस्ट्रेशन के लिए पोर्टल तक नहीं मिला। सिर्फ 4 सदस्यों की एक कमेटी मिली। बीजेपी पर हमलावार आतिशी ने कहा, एक कहावत है खोदा पहाड़ निकली चुहिया। आज दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने साबित कर दिया कि पीएम मोदी ने दिल्ली की महिलाओं से झूठ बोला था। शायद ये शुरुआत है। दिल्ली के लोगों को आगे ये पता चलेगा कि जिस घोषणापत्र के वादे पर लोगों ने बीजेपी को वोट दिया वहां सब झूठ निकलेगा। आतिशी ने कहा, दिल्ली की महिलाओं के साथ बहुत बड़ा धोखा हुआ है। उन्हें झुनझुना पकड़ा दिया गया है।

औरंगज़ेब विवाद पर महाराष्ट्र में भाजपा और शिवसेना एकजुट, बिहार में जदयू से तकरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। औरंगज़ेब को लेकर उठा विवाद महाराष्ट्र में भाजपा और शिवसेना को करीब ले आया है। जबकि बिहार में भाजपा और जनता दल (यूनाइटेड) के बीच तकरार पैदा कर रहा है। महाराष्ट्र में भाजपा और शिवसेना ने समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता अबू आजमी की टिप्पणी के खिलाफ एकजुटता दिखाई, वहीं बिहार में जेडी(यू) के कुछ नेताओं के बयान ने भाजपा की रणनीति पर सवाल खड़े कर दिए।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने औरंगजेब की प्रशंसा करने के लिए आज़मी के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा चलाने की मांग की। आज़मी ने अपनी सफाई में कहा कि उनके शब्दों को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया, लेकिन फिर भी अगर किसी को ठेस पहुंची हैं तब वे अपने बयान वापस लेते हैं। बावजूद इसके, भाजपा और शिवसेना इस मुद्दे को भुनाने में जुटी रही, जिससे हिंदुत्व समर्थकों में उनकी पकड़ मजबूत होती दिखी।

वहीं, बिहार में जेडी(यू) एमएलसी खालिद अनवर ने औरंगजेब को क्रूर शासक नहीं बताया, जिससे भाजपा नेताओं ने कड़ी आपत्ति जाहिर की। भाजपा विधायक हरि भूषण ठाकुर ने अनवर को देशद्रोही बताकर उन्हें सदन से निष्कासित करने और पाकिस्तान भेजने तक की मांग कर डाली। भाजपा के मंत्रियों ने भी मुद्दे को उठाकर शहरों के नाम बदलने तक की वकालत की। हालांकि, जेडी(यू) ने आधिकारिक रूप से अपने एमएलसी के बयान का समर्थन किया। प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि लोकतंत्र में हर किसी को अपनी बात कहने का अधिकार है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भाजपा की हिंदुत्व राजनीति से दूरी बनाए रखना चाहते हैं और मुस्लिम वोट बैंक को सुरक्षित रखना उनकी प्राथमिकता है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि महाराष्ट्र में भाजपा और शिवसेना का गठबंधन हिंदुत्व के मुद्दे पर और मजबूत हो सकता है, जबकि बिहार में भाजपा और जेडी(यू) के बीच यह मतभेद आगामी विधानसभा चुनावों में नई रणनीति की ओर इशारा करता है। भाजपा हिंदुत्व की राजनीति को हवा देकर बिहार में अपने पैर जमाना चाहती है, जबकि जेडी(यू) सामाजिक समरसता को प्राथमिकता दे रही है। बिहार के मुस्लिम वोट बैंक को साधने के लिए राजद और एआईएमआईएम जैसी पार्टियां भी विवाद में कूद पड़ी हैं। राजद नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी और एआईएमआईएम प्रमुख अख्तरुल ईमान ने भाजपा पर इतिहास के राजनीतिकरण का आरोप लगाया।

लालू अपने लाल तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाने के लिए महारणनीति बनाने में जुटे

-युवाओं और महिलाओं को साधने में जुट गई राजद

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारी तेज हो गई है। बिहार की मुख्य विरोधी पार्टी राजद ने भी जोर लगा दिया है। लालू यादव ने ऐलान कर दिया है कि उनके बेटे तेजस्वी यादव ही इस बार बिहार के मुख्यमंत्री जरुर बनने वाले है। खुद तेजस्वी ने भी दावा किया है कि आरजेडी की सरकार बनेगी और मैं सीएम बनूंगा। उन्होंने जनता से अपील भी की है। वहीं राजद ने महिला और युवा वोटरों को साधने का फॉर्मूला भी तैयार किया है।

दरअसल बिहार चुनाव में महिला वोटरों की बड़ी भूमिका रहती है। महिला वोटर यह तय करने

में निर्णायक होती हैं कि प्रदेश में सरकार किस गठबंधन की बनेगी। महिलाओं का वोट प्रतिशत पुरुष वोट से अधिक रहा था। राजद ने महिला वोटरों को साधने के लिए खुला ऐलान किया है कि अगर राजद की सरकार बनती है तब महिलाओं को 'माई-बहिन मान योजना' के अंतर्गत 2500 रुपए प्रतिमाह दिए जाएंगे। इतना ही नहीं राजद इसका प्रचार जोर-शोर से कर रही है।

वहीं युवा वोटरों को साधने की भी पूरी तैयारी राजद में अंदर खाने चल रही है। तेजस्वी यादव ने रोजगार को शुरू से मुद्दा बनाया है। वे दावा करते रहे हैं कि बिहार में महागठबंधन सरकार में निकली बंपर बहाली और बांटे गए रोजगार उनके ही प्रयासों के देन हैं। हाल में बीपीएससी रीएग्जाम को भी उन्होंने मुद्दा बनाया है। तेजस्वी ने डोमिसाइल नीति को भी उठाया है। उन्होंने कहा है कि राजद सरकार में आते ही वे 100 प्रतिशत डोमिसाइल लागू कर दूंगा। इसी कड़ी में बुधवार को पटना में युवा चौपाल कार्यक्रम हुआ। इसमें अन्य जिलों से भी आए युवाओं का जुटान हुआ। दरअसल, 'माई-बहिन मान योजना' का कांसेप्ट झारखंड चुनाव में हेमंत सोरेन की 'मैया सम्मान योजना' के असर से आया है। झारखंड में सोरेन की सरकार ने भी महिलाओं को 2500 रुपए प्रति माह देने का ऐलान किया था जिसका असर भी दिखा है। झारखंड चुनाव परिणाम आने के बाद ही राजद ने बिहार में 'माई-बहिन मान योजना' का जिक्र शुरू किया। बिहार में 100 प्रतिशत डोमिसाइल की मांग ने तब जोर पकड़ा जब बिहार में बीपीएससी के जरिए शिक्षकों की बंपर वैकेंसी निकली लेकिन इस परीक्षा में बड़ी संख्या में बाहरी राज्य के अभ्यर्थियों ने भी अप्लाई किए। इसका विरोध भी दिखा। तेजस्वी यादव सहित राजद कुनबा युवाओं को 100 प्रतिशत डोमिसाइल का वादा करके अपने पक्ष में लाना चाहेगी।

भारत ने रावी नदी का पानी रोका, पाकिस्तान के किसान खेती को तरसे

नई दिल्ली। भारत ने रावी नदी का पानी रोका तो पाकिस्-?तान में बचाव मच गया। भारत की तर्ज पर पाकिस्-?तान भी एक कृषि प्रधान देश है। इंडो-वाटर ट्रीटी के तहत भारत के पास रावी नदी के पानी पर 100 फीसदी अधिकार है। अब पाकिस्-?तान की तरफ से अपने देश के किसानों के लिए एक एडवाइजरी जारी की है। इस एडवाइजरी में कहा गया है कि इस साल किसानों को फसलों को मिलने वाले पानी में 30 से 35 फीसदी की कमी आ सकती है। पाकिस्तान सरकार का कहना है कि कृषि क्षेत्र में जल संकट गहराने वाला है, क्योंकि देश के प्राथमिक जल नियामक, सिंधु नदी प्रणाली प्राधिकरण ने जल संकट की चेतावनी दी है। पाकिस्तान के दो सबसे बड़े जलाशय तरबेला और मंगला बांध सूख रहे हैं। इरसा ने पंजाब और सिंध में फसलों के लिए पानी की उपलब्धता में संभावित 30-35 फीसदी की कमी का अनुमान लगाया है। मुख्य फसल अपने अंतिम चरण के करीब है, जिसके लिए पर्याप्त सिंचाई की जरुरत है। इरसा के ताजा डेटा पाकिस्-?तान में एक निराशाजनक तस्वीर पेश करते हैं, जिसमें पता चलता है कि 1,550 फीट की अधिकतम भंडारण क्षमता वाले तरबेला बांध में वर्तमान में मात्र 73,000 एकड़ फीट पानी बचा है, जिसका स्तर खतरनाक रूप से 1,409 फीट पर है, जो मृत स्तर से मात्र नौ फीट ऊपर है। इसी तरह 1,242 फीट के अधिकतम संरक्षण स्तर के साथ मंगला बांध वर्तमान में 1,088 फीट पर है, जिसमें 235,000 एकड़ फीट पानी है, जो इसके मृत स्तर से मात्र 28 फीट ऊपर है। इन महत्वपूर्ण जल स्रोतों के तेजी से खत्म होने से इरसा ने प्रांतों को चेतावनी जारी की गई है, जिसमें जलाशयों के कुछ ही दिनों में अपने मृत स्तर तक पहुंचने की आसन्न संभावना पर जोर दिया है। यह खतरनाक स्थिति गेहूं की फसल के महत्वपूर्ण अंतिम पानी के चरण से मेल खाती है, जो पहले से ही सरकारी नीतियों में बदलाव के कारण अनुमान से कम बुवाई से जूझ रही है।

वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ 13 मार्च को जंतर मंतर पर होगा हल्ला बोल प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने जा रहा है। पहले यह प्रदर्शन 10 मार्च को होना था जिसमें संशोधन कर इसे 13 मार्च कर दिया गया है। प्रदर्शन सुबह 10 बजे आयोजित किया जाएगा। बोर्ड के प्रवक्ता और प्रदर्शन के आयोजक डॉ. सैयद कासिम रसूल इलियास ने बताया कि तकनीकी कारणों के चलते तिथि में बदलाव किया गया है।

केंद्र सरकार वक्फ संशोधन विधेयक 2024 को संसद के आगामी सत्र में पारित कराने की तैयारी में है। इसे लेकर मुस्लिम समाज में गहरी चिंता व्याप्त है। बोर्ड का मानना है कि यह विधेयक मुस्लिम समुदाय की वक्फ संपत्तियों, मस्जिदों, कब्रिस्तानों, दरगाहों, मठों और मदरसों पर कब्जा करने और उन्हें नष्ट करने के इरादे से लाया गया है। इसलिए इसे तत्काल वापस लिया जाना चाहिए। बोर्ड और अन्य धार्मिक संगठनों ने इस विधेयक के खिलाफ संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को कई ईमेल भेजे और उनसे मुलाकात कर अपना विरोध दर्ज कराया। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और बिहार के मुख्यमंत्री से भी इस मुद्दे पर विस्तार

से चर्चा की गई, जिसमें स्पष्ट किया गया कि मुस्लिम समाज इस विधेयक को पूरी तरह अस्वीकार करता है।

बोर्ड की मजलिस (कार्यकारिणी समिति) ने निर्णय लिया है कि 13 मार्च को दिल्ली के जंतर-मंतर पर सुबह 10 बजे प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें बोर्ड का पूरा केंद्रीय नेतृत्व, धार्मिक संगठनों के नेता, सामाजिक कार्यकर्ता और मुस्लिम समाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल होंगे। इस प्रदर्शन में दलित, आदिवासी, ओबीसी समुदायों के सामाजिक-राजनीतिक नेताओं के साथ-साथ सिख और ईसाई धर्मगुरु भी शामिल होंगे। इसी के तहत 8 मार्च को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में भी विरोध प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। दिल्ली-एनसीआर, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और मेवात के मुसलमानों से प्रदर्शन में भारी संख्या में शामिल होने की अपील की गई है। बोर्ड के प्रवक्ता डॉ. इलियास ने कहा कि अगर यह संशोधन विधेयक पारित हुआ, तो मुस्लिम समाज की वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा पर गंभीर संकट आ सकता है।

पप्पू यादव का बड़ा दावा बोले- जेडीयू एमएलसी ने लॉरेंस के नाम पर दिलवाई थी धमकी

पूर्णिया (एजेंसी)। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने बड़ा दावा करते हुए आरोप लगाया कि उन्हे लॉरेंस के नाम पर पिछले दिनों जो धमकी दी गई थी उसके पीछे जेडीयू एमएलसी का हाथ था। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) से एमएलसी नीरज कुमार पर गंभीर आरोप लगाया है। पप्पू यादव ने कहा कि जेडीयू एमएलसी ने ही उन्हें धमकी दिलवाई थी। इस मामले में पूर्व में आरा से गिरफ्तार हुए रामबाबू को नीरज कुमार ने ही पैसे देकर उन्हें धमकी देने के लिए कहा गया था। ताकि लॉरेंस बिश्नोई गैंग से मिल रहीं धमकियों के मुद्दे को डायवर्ट किया जाए।

पप्पू यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्हें धमकी देने के मामले में पूर्व में गिरफ्तार हुआ रामबाबू भी मौजूद रहा। सांसद ने आरोप लगाया कि जेडीयू एमएलसी नीरज कुमार ने पूर्णिया के एसपी पर प्रेशर देकर पीसी करवाई थी। पप्पू यादव ने दावा किया कि रामबाबू को नीरज कुमार ने जेडीयू ऑफिस में बुलाया था। इसके सीसीटीवी फुटेज भी मौजूद हैं। जेडीयू दफ्तर में रामबाबू को ट्रेनिंग दी गई। सिक्योरिटी हॉल में वीडियो बनाया गया और फिर वहीं से धमकी दी गई।पप्पू यादव ने दावा किया कि फर्जी धमकी देने की एवज में रामबाबू को जेडीयू एमएलसी ने चुनाव लड़वाने का भी ऑफर दिया था। सांसद ने दावा किया कि धमकी दिलवाकर रामबाबू को छोड़ दिया गया। पूर्णिया एसपी को फोन कर इनका मोबाइल नंबर दिया गया। वहां के पदाधिकारियों ने इनसे बातचीत की। फिर पटना आकर गाड़ी से रामबाबू को पूर्णिया लेकर गए। आधा घंटा लॉकअप में रखा गया। रामबाबू को कहा गया कि पप्पू यादव के किसी करीबी का नाम ले लो, नहीं तो जेल में बंद कर देंगे।

बरसाने की रंगीली गली में शुरू हुई होली: हेलिकॉप्टर से की गई पुष्प वर्षा

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा में बरसाने की रंगीली गलियों में जब हुरियारिन परंपरागत तरीके से सज-धजकर निकलती हैं तो होली की उमंग आसमान छूने लगती है। चेहरे में घूंघट लेकिन हाथों में तेल लगी लाठी इनके इरादों को उजागर करती हैं। इनकी लाठी से बचने और होली खेलने के लिए सभी हुरियारे भगवान कृष्ण के गांव नंदगांव से ढाल लेकर 50किमी दूर बरसाना पहुंचते हैं, तो नजारा देखने लायक हो जाता है। हेलिकॉप्टर से रंगीली गली के ऊपर पुष्प वर्षा करके हुरियारों के जोश को कई गुना बढ़ा दिया गया।

बरसाना में हुरियारिन नंदगांव से आए सखाओं पर लाठी बरसाती हैं और होली का आनंद लेती नजर आई हैं। ऐसे में हुरियारे गीत गाते हैं और अपनी ढाल से बचाव करते दिखे हैं। इस बार विश्वप्रसिद्ध बरसाने की होली देखने देश-विदेश से करीब 10 लाख लोग मथुरा पहुंचे हैं। होली के चलते बरसाने की तमाम गलियां भरी हुई हैं। सभी ओर अबीर-गुलाल उड़ता दिख रहा है। अलग-अलग टुकड़ियों में बंटी हुरियारिनों की टोलियां अलग-अलग जगहों पर लट्ठ लिए नजर आई हैं।

बरसाने की होली खेलने वालों का तो यही मानना है कि जब वो होली खेलते हैं, तो स्वयं राधा रंग-गुलाल खेलती प्रतीत होती हैं, फिर ठाकुरजी तो साक्षात हुरियारों के सामने बैठे होते हैं। लट्?ठमार होली हर कोई नहीं खेल सकता है, बल्कि बहुएं ही इसे खेलती हैं, यहां पर कुंवारी लड़कियां लट्ठमार होली नहीं खेल सकतीं हैं। यहां की मशहूर रंगीली गली की बहुएं तो श्रंगार ही ऐसा करती हैं मानों उन्होंने श्रीजी की ही तरह अपने ठाकुरजी के लिए खुद को सजाया हो। इस श्रृंगार को ठाकुरजी के नाम किया जाता है।

होली के दौरान बरसाने में बढ़ती भीड़ को देखते हुए हर प्वाइंट पर पुलिस की तैनाती की गई है। भीड़ के चलते बरसाने में भारी वाहनों की एंट्री बंद है। प्रशासन ने बरसाने में गाड़ियों की आवा-जाही जहां बंद की वहीं भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जगह-जगह बैरिकेडिंग का इंतजाम किया गया है। पुलिस वाले ऊंचे-ऊंचे मचान से निगरानी कर रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

चीनी वैज्ञानिकों ने हासिल की बड़ी सफलता

बीजिंग, एजेंसी। चीनी विज्ञान अकादमी के थ्येनचिन औद्योगिक जैव प्रौद्योगिकी संस्थान ने हाल ही में एंजाइम उत्प्रेरक तंत्र के विश्लेषण में बड़ी सफलता हासिल की। यह सफलता गुरुवार को अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक पत्रिका नेचर में प्रकाशित की गई। बताया जाता है कि रिएक्टिव ऑक्सीजन सुपरऑक्साइड आयन औषधि अणुओं के संश्लेषण का उत्प्रेरक है। इससे कृत्रिम रूप से कुशल जैव उत्प्रेरकों का डिजाइन करने के लिए नया रास्ता खोला गया। बायो फार्मास्युटिकल्स, हरित रसायन और नवीन ऊर्जा विकास आदि क्षेत्रों में इसके प्रयोग की बड़ी निहित शक्ति है। लंबे समय से रिएक्टिव ऑक्सीजन सुपरऑक्साइड आयन को स्वास्थ्य हत्यारा कहा जाता है। कोशिका चयापचय में पैदा रिएक्टिव ऑक्सीजन कण मनमाने ढंग से डीएनए को काटते हैं और प्रोटीन को नष्ट करते हैं। पुष्टि की गई है कि रिएक्टिव ऑक्सीजन सुपरऑक्साइड आयन कैंसर और बुढ़ापे में होने वाली बीमारियों से भी घनिष्ठ रूप से संबंधित है, इसीलिए विश्वव्यापी वैज्ञानिक इसे साफ करने की ढाल का अनुसंधान करने का प्रयास कर रहे हैं।

पोप फ्रांसिस की हालत स्थिर, वेटिकन शनिवार को देगा अगला अपडेट

रोम, एजेंसी। सांस लेने से जुड़े गंभीर संक्रमण डबल निमोनिया से पीड़ित पोप फ्रांसिस की तबीयत स्थिर है। वेटिकन की तरफ से जारी बयान के मुताबिक उन्हें सांस लेने का कोई नया संकट या बुखार नहीं हुआ है। चिकित्सकों ने कहा कि पोप की सेहत से जुड़ी अगली जानकारी या स्वास्थ्य पर अपडेट शनिवार को जारी किया जाएगा। हालांकि, पूर्वानुमान के मुताबिक पोप अब भी खतरे से बाहर नहीं हैं।

ईरान में सैन्य स्थल पर विस्फोट में 1 की मौत, 10 अग्निशमनकर्मी घायल

तेहरान , एजेंसी। ईरान की राजधानी तेहरान में एक सैन्य अड्डे पर धमाके में एक शख्स की मौत होने की खबर है। इस हादसे में 10 अग्निशमन कर्मी घायल हो गए। ईरान की अर्ध-सरकारी मेहर समाचार एजेंसी ने कहा कि आग पहले कंटेनर के अंदर लगी। जब अग्निशमन कर्मियों ने आग बुझाने का प्रयास किया तो विस्फोट हो गया। चार अग्निशमन कर्मियों को अस्पताल ले जाया गया तथा छह अन्य को मामूली चोटों के कारण घटनास्थल पर ही उपचार दिया गया। फिलहाल आग लगने और विस्फोट के कारणों का पता नहीं लगा है।

लंदन क्रॉसबो हत्या : 26 वर्षीय हत्यारोपी पूर्व पार्टनर के साथ दुष्कर्म का भी दोषी, तीन महिलाओं की हुई थी मौत

लंदन, एजेंसी। लंदन में एक 26 साल के शख्स को महिला और उसकी दो बेटियों की हत्या का दोषी पाया गया था। हत्या के दौरान धनुष जैसी आकृति वाले हथियार क्रॉसबो का इस्तेमाल किया गया, जिसके कारण इसे लंदन क्रॉसबो कांड भी कहा जाता है। इस शख्स को कोर्ट ने अब अपनी पूर्व पार्टनर के साथ दुष्कर्म का भी दोषी पाया है। लगभग 45 मिनट की जिरह के बाद कैम्ब्रिज क्राउन कोर्ट में जूरी ने काइल क्लिफोर्ड को 25 वर्षीय पूर्व प्रेमिका लुईस हंट के साथ दुष्कर्म का दोषी ठहराया। हत्या के लिए महिला और उसकी बेटियों पर काइल ने क्रॉसबो और चाकू से हमला किया था। पिछली बार की पेशी में लुईस ने दुष्कर्म के आरोपों से इनकार किया था। जिन तीन लोगों की हत्या की गई, उसमें लुईस हंट, बड़ी बहन हन्नाह हंट (28 साल) और दोनों की मां कैरोल हंट (61) शामिल हैं। दोनों बहनों की क्रॉसबो से हत्या की गई, जबकि मां को चाकू घोंपकर मौत की नींद सुला दिया गया। महिलाएं बीबीसी से जुड़े कमेंटेटर जॉन हंट की पत्नी और बेटियां थीं।

अमेरिका और यूक्रेन अगले सप्ताह सऊदी अरब में करेंगे शांति वार्ता : जेलेंस्की

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका और यूक्रेन अगले सप्ताह सऊदी अरब में वार्ता शुरू करेंगे। उन्होंने गुरुवार सोशल मीडिया पर कई पोस्ट में यह घोषणा की। जेलेंस्की ने कहा, 卐अगले सप्ताह, सोमवार को, क्राउन प्रिंस से मिलने के लिए मेरी सऊदी अरब यात्रा की योजना है। उसके बाद, मेरी टीम हमारे अमेरिकी साझेदारों के साथ काम करने के लिए सऊदी अरब में रहेगी। यूक्रेन शांति में सबसे अधिक रुचि रखता है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने कहा कि अगले सप्ताह सऊदी अरब में यूक्रेन के साथ बैठक की योजना बनाई गई है। उन्होंने यह भी कहा कि शांति समझौते की रूपरेखा और शुरुआती युद्धविराम के लिए कीव के साथ चर्चा चल रही है। विटकॉफ ने कहा कि पिछले शुक्रवार को व्हाइट हाउस में हुई दुर्भाग्यपूर्ण बैठक के बाद जेलेंस्की के पत्र से ट्रंप खुश हैं। उन्होंने कहा, 卐उन्हें (ट्रंप को) लगा कि जेलेंस्की का पत्र एक बहुत ही सकारात्मक कदम था। इसमें माफी मांगी गई। इसमें यह स्वीकृति थी कि अमेरिका ने यूक्रेन के लिए बहुत कुछ किया है। साथ ही इसमें कृतज्ञता की भावना थी। इस बीच डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह संभवतः अगले डेढ़ महीने में सऊदी अरब का दौरा करेंगे, लेकिन उन्होंने तारीख का ऐलान नहीं किया। बता दें पिछले शुक्रवार को व्हाइट में जेलेंस्की की ट्रंप और अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ सार्वजनिक रूप से तीखी बहस हो गई थी जिसे पूरी दुनिया ने देखा। जेलेंस्की की संभावित सऊदी अरब यात्रा इस बात का संकेत है कि ओवल ऑफिस में तीखी बहस से पैदा हुआ तनाव कम हो रहा है। इस घटनाक्रम के बाद अमेरिका ने यूक्रेन के लिए सैन्य सहायता देना और यूक्रेनी सशस्त्र बलों के साथ खुफिया जानकारी साझा करना बंद कर दिया। बता दें कि रियाद में ही वाशिंगटन और मॉस्को की रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर शांति वार्ता हुई थी जिसमें कीव या किसी भी यूरोपीय देश को नहीं बुलाया गया था।

ट्रंप ने मेक्सिको और कनाडा को दी राहत, टैरिफ को कुछ दिनों के लिए टाला, कहा 2 अप्रैल से लागू होगा बड़ा टैरिफ

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल से बड़े टैरिफ से पहले कुछ उत्पादों के लिए मेक्सिको और कनाडा पर टैरिफ में कुछ समय के लिए छूट देने की घोषणा की है. उन्होंने कहा कि मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम के साथ सार्थक बातचीत के बाद उन्होंने यह फैसला लिया. उन्होंने कनाडा को उच्च टैरिफ राष्ट्र होने के लिए फटकार लगाई. एक अधिकारी के अनुसार, कनाडा और मेक्सिको के खिलाफ टैरिफ में संशोधन अमेरिकी कार निर्माताओं और अमेरिकी किसानों की रक्षा के लिए लाया जा रहा है. यह नोट किया गया कि इस तरह से अमेरिका-मेक्सिको-कनाडा समझौते योग्य वस्तुओं को मौजूदा टैरिफ से बाहर रखा जाएगा. सीएनएन के अनुसार, यूएसएमसीए पर ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान बातचीत की थी, जो तीन उत्तरी अमेरिकी देशों को एक मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाता है. संशोधनों के बारे में बताते हुए, ट्रंप ने कहा कि इस अंतरिम अवधि के दौरान, अब से 2 अप्रैल के बीच, यह हमारे अमेरिकी कार निर्माताओं के लिए बहुत अधिक अनुकूल है. मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम के साथ अपनी बातचीत के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि मैंने आज मेक्सिको की राष्ट्रपति, एक अद्भुत महिला से बात की, और हमने उन्हें अल्पकालिक टैरिफ से जुड़ी एक समस्या से निपटने में मदद की. हमारी बातचीत बहुत अच्छी रही. साथ ही, हमने दवाओं पर भी चर्चा की, और वे हाल ही में

बहुत मेहनत कर रहे हैं. हमने दोनों पर बहुत प्रगति की है. ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में बातचीत का विवरण भी साझा किया. उन्होंने लिखा कि मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम से बात करने के बाद, मैं इस बात पर सहमत हो गया हूं कि मेक्सिको को यूएसएमसीए समझौते के तहत आने वाली किसी भी चीज पर टैरिफ का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं होगी. यह समझौता 2 अप्रैल तक है. उन्होंने कहा कि मैंने यह एक समझौते के रूप में और राष्ट्रपति शिनबाम के प्रति सम्मान के कारण किया. हमारे संबंध बहुत अच्छे रहे हैं. हम सीमा पर, अवैध विदेशियों को संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवेश करने से रोकने के लिए साथ मिलकर कड़ी मेहनत कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि हम फेंटेनाइल (प्रतिबंधित ड्रग) को रोकने के मामले में भी साथ में काम कर रहे हैं. टैरिफ और कनाडा के बारे में बोलते हुए, ट्रंप ने कहा कि वे अगले सप्ताह होने वाले हैं और सबसे बड़ा टैरिफ 2 अप्रैल को होगा. कनाडा एक उच्च टैरिफ वाला देश है. कनाडा हमारे दूध उत्पादों और अन्य उत्पादों के लिए हमसे 250 प्रतिशत शुल्क लेता है. लकड़ी और ऐसी ही अन्य चीजों पर बहुत ज्यादा टैरिफ लगाता है. हमें उनकी लकड़ी की जरूरत नहीं है. हमारे पास उनकी तुलना में ज्यादा लकड़ी है. हमें कनाडा की लकड़ी की जरूरत नहीं है. अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि इसलिए मैं जो करने जा रहा हूं, वह यह है कि मैं अपने जंगलों को मुक्त करने के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करूंगा ताकि हमें पेड़ों को काटने और बहुत सारा पैसा कमाने और फिर पेड़ों की कटाई करने की अनुमति मिल सके... हमें कनाडा से पेड़ों की जरूरत नहीं है. हमें कनाडा से कारों की जरूरत नहीं है. हमें कनाडा से ऊर्जा की ज़रूरत नहीं है. उन्होंने कहा कि हमें कनाडा से कुछ भी नहीं चाहिए... हम आत्मनिर्भर हो सकते हैं, जो कि ज्यादातर चीजों में है... मैं बहुत जल्द ही इसे मुक्त करने जा रहा हूं ताकि हमें लकड़ी खरीदने के लिए दूसरे देशों में न जाना पड़े. आप जानते हैं, हमें दूसरे देशों से लकड़ी क्यों खरीदनी चाहिए? इससे पहले गुरुवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जस्टिन ट्रूडो पर आरोप लगाया था कि वे कनाडा के लिए बहुत खराब काम करने के बावजूद अमेरिका के साथ टैरिफ समस्या का उपयोग करके प्रधानमंत्री पद के लिए फिर से चुनाव लड़ रहे हैं.

चीन के विदेश मंत्री ने अमेरिकी शुल्क की आलोचना की

बीजिंग, एजेंसी। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने शुक्रवार को अमेरिका पर 'अच्छाई का जवाब बुराई से देने' का आरोप लगाया। उन्होंने देश के वार्षिक संसदीय सत्र के मौके पर संवाददाताओं से कहा कि चीन अमेरिका के 'मनमाने शुल्क' का जवाब देगा। वांग ने कहा कि अमेरिका को फेंटानिल संकट से निपटने में मदद करने के चीन के प्रयासों का जवाब दंडात्मक शुल्कों के रूप में दिया गया है, जिससे दोनों देशों के बीच संबंधों में तनाव पैदा हो रहा है। वांग ने कहा, किसी भी देश को यह कल्पना नहीं करनी चाहिए कि वह चीन को दबा सकता है और साथ ही साथ चीन के साथ अच्छे संबंध भी बनाए रख सकता है। इस तरह के दोहरे कृत्य द्विपक्षीय संबंधों की स्थिरता या आपसी विश्वास के निर्माण के लिए अच्छे नहीं हैं।

असद समर्थकों ने घात लगाकर हमला किया, 13 पुलिस अधिकारियों की हत्या : दमिश्क, एजेंसी। सीरिया में बंदूकधारियों ने गुरुवार को एक तटीय शहर में सीरियाई पुलिस गश्ती दल पर घात लगाकर हमला किया। इसमें कम से कम 13 सुरक्षाकर्मी मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। हमला ऐसे समय में हुआ है जब सीरिया के तटीय क्षेत्र में पूर्व राष्ट्रपति बशर असद के अल्पसंख्यक अलावी संप्रदाय और इस्लामी समूहों के सदस्यों के बीच तनाव बढ़ गया है। ब्रिटेन की संस्था- सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा, लाताकिया शहर के पास जबलेह कस्बे में हुए हमले में कम से कम 16 लोग मारे गए।

अमेरिका के निजी मून मिशन की क्रैश लैंडिंग, चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरना था

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक निजी कंपनी के चंद्रमा मिशन की चांद की सतह पर क्रैश लैंडिंग की आशंका जताई जा रही है। मिशन के लैंडर को चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरना था, लेकिन आखिरी समय पर लैंडर की क्रैश लैंडिंग हुई। हालांकि कंपनी ने अभी क्रैश लैंडिंग की पुष्टि नहीं की है और कहा है कि वे अभी तक इस बात को लेकर सुनिश्चित नहीं हैं कि लैंडिंग सही हुई या फिर गलत। उन्होंने कहा कि वे हालात का जायजा ले रहे हैं और स्थिति का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। चंद्रमा मिशन भेजने वाली कंपनी इनश्युटिव मशीन ने बयान में कहा है कि वे अभी तक अनिश्चित हैं कि क्या उनके लैंडर ने चांद की सतह पर सही लैंडिग की है या फिर वह टेढ़ा होकर गिर गया है। गौरतलब है कि एक साल पहले भी कंपनी का लैंडर सही लैंडिंग नहीं कर पाया था। मिशन के कंट्रोलर्स ने लैंडर के कुछ उपकरण बंद किए हैं ताकि उसकी ऊर्जा को बचाया जा सके और फिलहाल यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि लैंडिग के वक्त क्या गलत हुआ। टेक्सास की कंपनी इनश्युटिव मशीन नासा के व्यवसायिक चंद्रमा मिशन के तहत काम कर रही है। इससे पहले रविवार को भी कंपनी ने चांद की सतह पर सफल लैंडिंग की थी। कंपनी ने बताया कि उसका एथेना लैंडर तय योजना के तहत चांद की कक्षा में पहुंचा। चांद की कक्षा से सतह पर उतरने तक भी सब कुछ तय योजना के अनुसार हो रहा था। मिशन के निदेशक और कंपनी के सह-संस्थापक टिम क्रेन ने बताया कि हम सतह पर थे और हमे लगा कि हम सफलतापूर्वक सतह पर उतर गए हैं।

चीन और मेक्सिको से अमेरिका में आने वाले फेंटानिल ड्रग को रोकने की तैयारी, सीनेट में नया विधेयक पेश

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट में एक नया विधेयक पेश किया गया है, जिसमें फेंटानिल ड्रग के खतरे से निपटने के उपायों बताए गए हैं। विधेयक में कहा गया है कि चीन और मेक्सिको से अमेरिका में फेंटानिल ड्रग की तस्करी होती है। गौरतलब है कि इसी वजह से अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने चीन और मेक्सिको पर टैरिफ लगाया था। राष्ट्रपति ट्रंप ने चीन और मेक्सिको से फेंटानिल के मुद्दे पर कार्रवाई करने की मांग की थी।

चीन पर लगाए गंभीर आरोप : विधेयक में मांग की गई है कि चीन द्वारा नियंत्रित निकाय, जैसे बैंक आदि, जो फेंटानिल ड्रग की तस्करी में शामिल पाए जाते हैं, उनके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जाए। साथ ही विधेयक में अमेरिकी सरकार से मांग की गई है कि वह ड्रग बनाने में इस्तेमाल होने वाले रसायनों को ट्रैक करे। यह विधेयक सीनेटर जिम रीस और सीनेटर जीन शाहीन ने पेश किया। रीस ने कहा कि अमेरिका में फेंटानिल की तस्करी का सबसे बड़ा स्त्रोत चीन है और मेक्सिको के ड्रग कार्टेल के जरिए यह ड्रग अमेरिका में सप्लाई की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि चीन की सरकार के इशारे पर यह सब हो रहा है। रीस ने कहा कि अमेरिका में हर साल एक लाख अमेरिकी लोग फेंटानिल की वजह से मर रहे हैं और अमेरिका की दक्षिणी सीमा से इसकी तस्करी बड़े पैमाने पर हो रही है।

लगभग 5 फीसदी का वृद्धि लक्ष्य : चीन की अर्थव्यवस्था के लिए एक व्यावहारिक कदम

बीजिंग, एजेंसी। चीन सरकार द्वारा समीक्षा के लिए चीनी राष्ट्रीय जन प्रतिनिधि सभा (एनपीसी) को सौंपी गई सरकारी कार्य रिपोर्ट-2025 ने दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। जिस बात ने सबसे अधिक ध्यान आकर्षित किया है वह यह है कि चीन ने इस वर्ष के लिए अपना जीडीपी विकास पूर्वानुमान लक्ष्य लगभग 5 फीसदी निर्धारित किया है। कुछ विदेशी मीडिया ने बताया कि यह लक्ष्य बाजार की अपेक्षाओं के अनुरूप है। यह न केवल चीन सरकार के व्यावहारिक रवैये को दर्शाता है, बल्कि चीनी अर्थव्यवस्था के आत्मविश्वास और ताकत को भी दर्शाता है। यह विकास दर पिछले दो वर्षों के अनुरूप बनी हुई है, जो रोजगार को स्थिर करने, जोखिमों को रोकने और लोगों की आजीविका में सुधार करने के चीन के दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित करती है।

इस लगभग 5 फीसदी विकास लक्ष्य का वास्तविक मूल्य बहुत अधिक है। यह सिर्फ एक संख्या नहीं है, बल्कि चीन के उच्च गुणवत्ता वाले विकास को बढ़ावा देने की एक ठोस अभिव्यक्ति भी है। उपभोग को बढ़ावा देने और घरेलू मांग के विस्तार के संदर्भ में चीन सरकार ने अपने नागरिकों की आय बढ़ाने, उच्च गुणवत्ता वाली आपूर्ति बढ़ाने और उपभोग वातावरण में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए उपभोग को बढ़ावा देने के लिए विशेष कदम उठाने का प्रस्ताव दिया है। उपायों की इस श्रृंखला से जीडीपी में उपभोग और सेवा उद्योगों के अनुपात में और वृद्धि होने और निरंतर आर्थिक विकास में नई गति आने की उम्मीद है।

साथ ही, लगभग 5 फीसदी विकास लक्ष्य का वास्तविक मूल्य तकनीकी नवाचार में भी परिलक्षित होता है। चीन सरकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे उच्च तकनीक उद्योगों के विकास का पुरजोर

समर्थन करती है और सरकारी कार्य रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि सरकार बड़े मॉडलों के व्यापक अनुप्रयोग का समर्थन करेगी और बुद्धिमान जुड़े नई ऊर्जा वाहनों और बुद्धिमान रोबोट जैसे उभरते उद्योगों का विकास करेगी। ये उपाय न केवल वैश्विक औद्योगिक नवाचार परिदृश्य को नया आकार देंगे, बल्कि दुनिया को चीन की वैज्ञानिक और तकनीकी विकास उपलब्धियों को साझा करने की भी अनुमति देंगे।

साथ ही, चीन सरकार की खुली मानसिकता भी प्रभावशाली है। कई क्षेत्रों में खुलेपन पायलटों को बढ़ावा देने से लेकर बेल्ट एंड रोड के उच्च-गुणवत्ता वाले संयुक्त निर्माण तक और उच्च-मानक मुक्त व्यापार क्षेत्रों के वैश्विक नेटवर्क का विस्तार करने तक, ये खुलेपन के उपाय दुनियाभर के देशों के साथ साझी जीत वाले सहयोग के लिए चीन की ईमानदारी और दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित करते हैं।

चीन के लिए 2025 एक महत्वपूर्ण वर्ष है, यानी 14वीं पंचवर्षीय योजना समाप्त हो जाएगी और 15वीं पंचवर्षीय योजना तैयार की जाएगी। यह कार्य बहुत कठिन है। विभिन्न विकास लक्ष्यों को प्राप्त करना आसान नहीं है और इसके लिए बहुत मुश्किल प्रयासों की आवश्यकता होती है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने की प्रक्रिया में चीन विश्व अर्थव्यवस्था की बहाली में अधिक आत्मविश्वास और ताकत लाएगा और दुनिया के लिए और अधिक नए अवसर भी प्रदान करेगा।

राष्ट्रपति ट्रंप ने सुनीता विलियम्स के बालों की तारीफ की, बोले- जल्द ही उन्हें धरती पर लाएंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अंतरिक्ष में फंसी अंतरिक्षयात्री सुनीता विलियम्स की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि हम जल्द ही उन्हें वापस धरती पर लाने के लिए अंतरिक्षयान भेजेंगे। इस दौरान ट्रंप ने सुनीता विलियम्स के बालों की भी तारीफ की और कहा कि उनके बाल काफी मजबूत हैं। ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन पर भी निशाना साधा और कहा कि उन्होंने और उनकी सरकार ने सुनीता विलियम्स और उनके सहयोगी बुच विल्मोर को अंतरिक्ष में बेसहारा छोड़ दिया और दोनों आठ दिनों के अंतरिक्ष मिशन पर गए थे और अब दोनों को नौ महीने से ज्यादा का वक्त बीत गया है।

गुरुवार को ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि हमारे दो अंतरिक्षयात्री स्पेस में फंसे हुए हैं। बाइडन ने उन्हें ऊपर ही छोड़ दिया। मैंने मस्क (एलन मस्क) से कहा है कि क्या वे दोनों को धरती पर ला सकते हैं? जिस पर मस्क ने भी

सहमति दे दी है और वे दो हफ्ते में अपने अंतरिक्षयान को स्पेस में भेजने की तैयारियों में जुट गए हैं। इसके बाद मजाकिया अंदाज में ट्रंप ने कहा कि मैंने बड़े और मजबूत बालों वाली महिला (सुनीता विलियम्स) को देखा है। उनके बाल बहुत मजबूत हैं। अब हम उन्हें वापस लाने की तैयारी कर रहे हैं और हम उनसे प्यार करते हैं।

ट्रंप ने कहा कि जो बाइडन इस देश के इतिहास के सबसे खराब राष्ट्रपति रहे हैं और उन्होंने दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में फंसने दिया और कुछ नहीं किया। एलन मस्क ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में लिखा कि अंतरिक्षयात्रियों को अब आठ दिन और अंतरिक्ष में रहना पड़ेगा।

स्पेसएक्स का ड्रैगन अंतरिक्षयान छह महीने पहले ही उन्हें वापस ला चुका होता, लेकिन बाइडन और व्हाइट हाउस ने ऐसा नहीं करने दिया। उल्लेखनीय है कि बुच विल्मोर और सुनीता विलियम जून 2024 में बोइंग के स्टारलाइनर विमान पर सवार होकर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे थे, लेकिन स्टारलाइनर में तकनीकी खराबी और हीलियम गैस के लीक के चलते यान को दोनों अंतरिक्षयात्रियों की वापसी के लिए अनफिट घोषित कर दिया गया, जिसके बाद सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर बीते कई महीनों से अंतरिक्ष में फंसे रह गए।

इंडोनेशिया में बाढ़ और भूस्खलन से एक की मौत, सात लापता

बेकासी, एजेंसी। इंडोनेशिया के कई इलाकों में बाढ़ और भूस्खलन के बीच जावा द्वीप में एक की जान चली गई और 7 लोग लापता हो गए. ये तबाही बीते एक सप्ताह से राजधानी जकार्ता और आसपास के इलाकों में हो रही भारी बारिश की वजह से हुई है. आपदा प्रबंधन से जुड़े एक अधिकारी के हवाले से ये बताया गया कि बीते एक सप्ताह से रह-रहकर हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से जकार्ता और आसपास के शहरों में तबाही मची हुई है. बाढ़ और पानी में फंसे हजारों लोगों को मुसीबत से बचाकर उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया है. इस बचाव कार्य में अत्याधुनिक तकनीक का भी इस्तेमाल किया जा रहा है. बाढ़ की विनाश लीला के बीच गुरुवार को वेस्ट जावा प्रदेश और उसके आसपास के इलाकों में भारी बारिश से सुकाभूमि जिले के अधिकांश हिस्से में घरों, अस्पतालों और स्कूलों को भारी नुकसान पहुंचा है. लोकल डिजैस्टर एजेंसी के मुताबिक भारी बारिश से एक बच्चे की मौत हो गई और तीन अलग-अलग जिलों में 7 लोगों के लापता होने की खबर है. स्थानीय आपदा एजेंसी के प्रवक्ता एंड्री सेतियावन ने एएफपी न्यूज एजेंसी को बताया कि लंबे समय से खराब मौसम और मूसलाधार बारिश के कारण ये विकराल समस्या खड़ी हुई है. भारी बारिश की इस विभीषिका से जिले के डेढ़ दर्जन कस्बों में बाढ़ और

भूस्खलन की कई घटनाएं सामने आई हैं. इस आपदा के बीच फंसे 200 से अधिक लोगों को बाढ़ग्रस्त इलाकों से निकाल कर ऊंचाई वाले स्थानों पर भी पहुंचाया गया है. गौर करें तो इंडोनेशिया में नवंबर से अप्रैल महीने के बीच बारिश की मौसम रहता है. इस दौरान भारी बारिश होती है। तूफान आते हैं. बाढ़ आती है और जगह-जगह लैंड स्लाइड का की घटनाएं होती हैं. इतना ही नहीं जलवायु परिवर्तन की वजह से इस साल भारी बारिश हो रही है। तूफान की गति भी तेज हो गई है. आंकड़ों पर गौर करें तो मध्य जावा में अकेले जनवरी माह में बाढ़ और भूस्खलन से 25 लोगों की जान चली गई. इसके पहले मई 2024 में वेस्ट सुमात्रा में बाढ़, बारिश और भूस्खलन और मलबे की वजह से 70 लोगों ने दम तोड़ दिया था.

दक्षिण कोरिया चिकित्सा सुरक्षा बढ़ाने और इलाज के दौरान होने वाली गलतियों को कम करने के लिए उठाएगा कदम

सियोल , एजेंसी। दक्षिण कोरिया के स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि सरकार चिकित्सा सुरक्षा को बढ़ाने और इलाज के दौरान होने वाली गलतियों को कम करने के लिए कदम उठाएगी। इसमें सरकार की तरफ से ज्यादा मुआवजा देने की जिम्मेदारी भी शामिल है। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, संसदीय नीति मंच में एक योजना पेश की गई है। इसके अनुसार, जरूरी इलाज के दौरान अगर किसी की मौत हो जाती है, तो इच्छा के विरुद्ध कोई सजा नहीं का नियम लागू किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इलाज के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं के लिए बीमा कवरेज भी बढ़ाया जाएगा।

योजना के तहत, सरकार सोच रही है कि अगर जरूरी इलाज के दौरान किसी मरीज की मौत हो जाती है, और परिवार वाले सहमत हैं, तो इलाज करने वाले डॉक्टर या मेडिकल स्टाफ पर कोई कानूनी कार्रवाई नहीं होगी। इससे मेडिकल स्टाफ पर काम का बोझ कम होगा। सरकार एक नई समिति बनाएगी जो अस्पतालों में होने वाली दुर्घटनाओं की जांच करेगी। यह समिति 150 दिनों के अंदर यह तय करेगी कि डॉक्टरों से कोई गलती हुई है या नहीं। अब, ऐसे मामलों में, पुलिस यह नहीं देखेगी कि कितना नुकसान हुआ, बल्कि यह देखेगी कि डॉक्टरों ने अपनी ड्यूटी ठीक से की या नहीं। इस योजना में चिकित्सा संस्थानों के लिए चिकित्सा दुर्घटनाओं के विरुद्ध बीमा खरीदना अनिवार्य करना भी शामिल है, जबकि बीमा शुल्क का एक हिस्सा सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, सरकार विभिन्न चिकित्सा सेवाओं, जैसे आपातकालीन चिकित्सा उपचार और शिशुओं के लिए गहन देखभाल के लिए

राज्य सब्सिडी बढ़ाने की समीक्षा करेगी। इस बीच, प्रशिक्षु डॉक्टरों के साथ लंबे समय से चल रहे विवाद के बीच, मामले से परिचित सूत्रों के अनुसार, दक्षिण कोरियाई सरकार ने अगले साल के लिए मेडिकल स्कूल में प्रवेश में विवादास्पद वृद्धि को खत्म करने की संभावना जताई है। सरकारी अधिकारियों और चिकित्सा सूत्रों के अनुसार, शिक्षा मंत्री ली जु-हो ने पिछले महीने मेडिकल स्कूलों के डीन के साथ बैठक की थी और कहा था कि यदि वर्तमान में छुट्टी पर गए मेडिकल छात्र मार्च सेमेस्टर के लिए वापस लौटते हैं, तो वे 2026 के लिए 3,058 का वार्षिक प्रवेश कोटा निर्धारित करने पर विचार कर सकते हैं, जो इस वर्ष से 2,000 कम है।

एक वर्ष से अधिक समय से सरकार और प्रशिक्षु डॉक्टरों के बीच विवाद चल रहा है, क्योंकि सरकार ने इस वर्ष से मेडिकल स्कूलों में प्रवेश की संख्या में 2,000 की वृद्धि कर दी है। हालांकि, बैठक के दौरान कोई ठोस समझौता नहीं हो सका।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अनोखा महिला सम्मेलन

माताओं और बहनों का आशीर्वाद मेरी ताकत, संपत्ति, सुरक्षा कवच है – मोदी

1.5 लाख महिलाओं की सुरक्षा 2500 महिला पुलिसकर्मियों ने की।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर गुजरात के नवसारी में शनिवार को अनोखा दृश्य देखने को मिला। यहां प्रधानमंत्री मोदी की "लखपति दीदी" के साथ मुलाकात, जी-सफल और जी-मैत्री योजनाओं के लॉन्चिंग कार्यक्रम का आयोजन था, लेकिन डेढ़ लाख से अधिक महिलाओं की उपस्थिति ने इसे यादगार बना दिया। खास बात यह रही कि इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी 2500 महिला पुलिसकर्मियों ने निभाई।

इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "मैं सबसे धनी हूं, क्योंकि मेरे खाते में इतनी माताओं-बहनों का आशीर्वाद है। यही आशीर्वाद मेरी सबसे बड़ी ताकत, संपत्ति और सुरक्षा कवच है।" उन्होंने देश में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी पर कहा कि आज संसद में 74 महिला सांसद हैं।

नवसारी के वांसदा गांव में आयोजित प्रधानमंत्री की सभा में 1.5 लाख महिलाओं की उपस्थिति के कारण शहर में भारी ट्रैफिक जाम हो गया था। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए, नवसारी एसपी के मार्गदर्शन में पुलिस ने पहले से ही उचित व्यवस्था कर रखी थी।

पुलिस ने छात्रों के लिए पिक-अप पॉइंट निर्धारित किए थे, जहां से उन्हें सीधे परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाया गया। इस व्यवस्था के कारण किसी भी छात्र को परीक्षा में देरी नहीं हुई। पुलिस के इस कार्य की स्थानीय लोगों और छात्रों के अभिभावकों ने सराहना की है।

5 साल में 3 करोड़ 'लखपति दीदी' बनाएंगे: 800 फास्ट ट्रैक कोर्ट बने, नवसारी में प्रधानमंत्री ने महिलाओं को किया नमन, कहा – 'आपके आशीर्वाद से तीसरी बार PM बना'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिनों के गुजरात दौरे पर हैं। कल (07/03/2025) उन्होंने सूरत और सेलवास का दौरा किया था, जबकि नवसारी के वासी बोरसी में "लखपति दीदी" कार्यक्रम में शामिल हुए। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने महिला दिवस के अवसर पर 41,000 लखपति दीदियों समेत डेढ़ लाख महिलाओं को सम्मानित किया।

इस कार्यक्रम में उन सफल महिलाओं को सम्मानित किया गया, जो सालाना एक लाख रुपये से अधिक की आय अर्जित कर रही हैं। इसके बाद प्रधानमंत्री सूरत से दिल्ली के लिए रवाना हो गए। उल्लेखनीय है कि आज प्रधानमंत्री की संपूर्ण सुरक्षा की जिम्मेदारी 3,000 महिला पुलिसकर्मियों ने संभाली।

भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाएं अब आर्थिक क्रांति लाकर "लखपति दीदी" बन रही हैं। अगर नवसारी जिले की बात करें तो शाहु गांव की संगीता सोलंकी ने भी आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए सखी मंडल की मदद से ऋण प्राप्त किया और आज बैंक मित्र और CSC सेंटर के जरिए सालाना एक लाख से अधिक की आय अर्जित कर च्लखपति दीदीज्ञ बन गई हैं। यह सिर्फ एक दीदी की कहानी नहीं है, बल्कि राज्य में लाखों "लखपति दीदियों" ने अपने आर्थिक जीवन स्तर में उल्लेखनीय बदलाव लाया है।

भारत सरकार के साथ गुजरात सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर "लखपति दीदी" क्रांति शुरू की है। नवसारी जिले में विभिन्न सरकारी योजनाओं और सखी मंडलों के माध्यम से बैंक से लोन लेकर 41,000 से अधिक महिलाओं ने अपना गृह उद्योग या छोटा व्यवसाय शुरू कर "लखपति दीदी" बनने का सपना साकार किया है।

इन्हीं में से एक हैं नवसारी तालुका के शाहु गांव की संगीता नीलेशसिंह सोलंकी,जिन्होंने परिवार की मदद करने की इच्छा के साथ कुछ छोटा-मोटा काम करके आत्मनिर्भर बनने का सपना देखा। शुरुआत में वे सिलाई का काम करके आर्थिक उपार्जन करती थीं, लेकिन इसमें कमाई बहुत कम थी। गांव से दूर नौकरी पर जाना भी संभव नहीं था। ऐसे में 2014 में मिशन मंगळम योजना के तहत वे गांव की 10 महिलाओं के समूह में शामिल हुईं और छोटे ऋण के जरिए गृह उद्योग शुरू किया। हालांकि, इससे भी उन्हें पूरी संतुष्टि नहीं मिली, और वे और आगे बढ़ने की चाह में रहीं।

भोपाल में भिखारी से रुपए समेटकर ले गई लड़की

रैकेट चलाने वाले गाड़ी से छोड़ने और लेने भी आते हैं; भीख लेने-देने वालों पर होगी कार्रवाई

भोपाल में भीख लेना और देना दोनों ही जुर्म है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने इस पर रोक लगाई है। बावजूद शहर में भीख मंगवाने के रैकेट चल रहे हैं। ऐसे ही एक रैकेट का पर्दाफाश हुआ है।

भिक्षावृत्ति रोकने के लिए कलेक्टर ने जो टीम बनाई है, उसी ने पुलिस को वीडियो भी सौंपे हैं। इनमें एक 60 साल की बुजुर्ग महिला भीख मांगती दिखाई दे रही है। कुछ देर बाद ही जींस-कुर्ता पहने आई लड़की महिला से रुपए ले गई। एक अन्य बुजुर्ग महिला को सुबह गाड़ी से छोड़ा गया और शाम को उसी में बैठाकर वापस ले गए। मामला शुक्रवार का है।

जानिए वीडियो में क्या रिकॉर्ड हुआ...

पहला वीडियो – 60 वर्षीय एक बुजुर्ग महिला दाता कॉलोनी मजार और पेट्रोल पंप के पास सड़क किनारे बैठकर भीख मांग रही थी। एक्टिवा पर बैठकर आए युवक ने बुजुर्ग को रुपए दिए। युवक के जाते ही एक लड़की आई और बुजुर्ग महिला से भीख में इकट्ठा किए रुपए लेकर चली गई।

दूसरा वीडियो – 65 साल की बुजुर्ग महिला हिलिंग हैंड फिजियोथैरेपी सेंटर के पास भिक्षावृत्ति करते हुए दिखाई दी। रहवासियों ने टीम को बताया कि सुबह एक युवक मोटरसाइकिल से बुजुर्ग को छोड़कर गया था। शाम को वह वापस ले जाता है। बुजुर्ग को आंखों से दिखाई नहीं देता है।

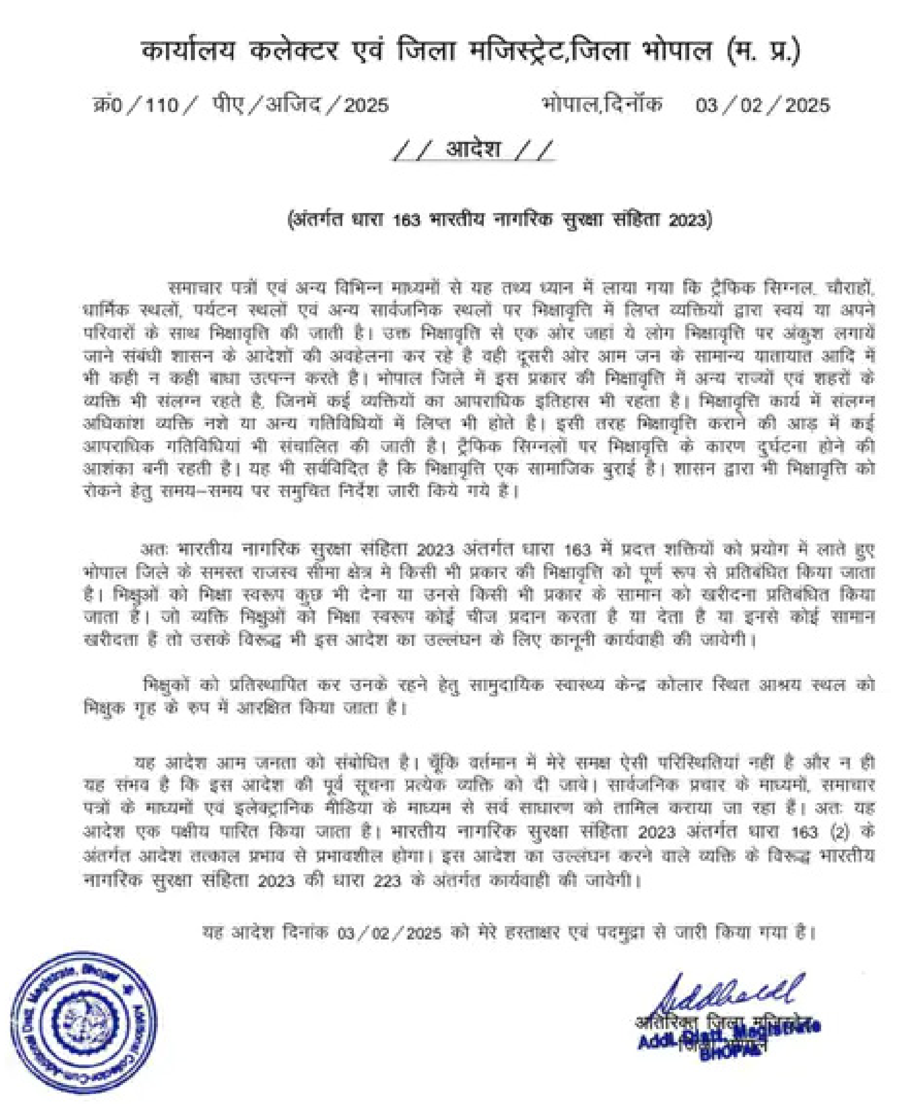

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट,जिला भोपाल (म. प्र.)

क्रं0 / 110 / पीए / अजिद / 2025 भोपाल,दिनॉक 03 / 02 / 2025

// आदेश //

(अंतर्गत धारा 163 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023)

समाचार पत्रों एवं अन्य विभिन्न माध्यमों से यह तथ्य ध्यान में लाया गया कि ट्रैफिक सिग्नल, चौराहों, धार्मिक स्थलों, पर्यटन स्थलों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यक्तियों द्वारा स्वयं या अपने परिवारों के साथ भिक्षावृत्ति की जाती है। उक्त भिक्षावृत्ति से एक ओर जहां ये लोग भिक्षावृत्ति पर अंकुश लगाये जाने संबंधी शासन के आदेशों की अवहेलना कर रहे है वहीं दूसरी ओर आम जन के सामान्य यातायात आदि में भी कही न कही बाधा उत्पन्न करते है। भोपाल जिले मे इस प्रकार की भिक्षावृत्ति मे अन्य राज्यों एवं शहरों के व्यक्ति भी संलग्न रहते है, जिनमें कई व्यक्तियों का आपराधिक इतिहास भी रहता है। भिक्षावृत्ति कार्य में संलग्न अधिकांश व्यक्ति नशे या अन्य गतिविधियों में लिप्त भी होते है। इसी तरह भिक्षावृत्ति कराने की आड़ में कई आपराधिक गतिविधियां भी संचालित की जाती है। ट्रैफिक सिग्नलों पर भिक्षावृत्ति के कारण दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। यह भी सर्वविदित है कि भिक्षावृत्ति एक सामाजिक बुराई है। शासन द्वारा भी भिक्षावृत्ति को रोकने हेतु समय-समय पर समुचित निर्देश जारी किये गये है।

अतः भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 अंतर्गत धारा 163 में प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए भोपाल जिले के समस्त राजस्व सीमा क्षेत्र मे किसी भी प्रकार की भिक्षावृत्ति को पूर्ण रूप से प्रतिबंधित किया जाता है। भिक्षुओं को भिक्षा स्वरूप कुछ भी देना या उनसे किसी भी प्रकार के सामान को खरीदना प्रतिबंधित किया जाता है। जो व्यक्ति भिक्षुओं को भिक्षा स्वरूप कोई चीज प्रदान करता है या देता है या इनसे कोई सामान खरीदता है तो उसके विरूद्ध भी इस आदेश का उल्लंघन के लिए कानूनी कार्यवाही की जावेगी।

भिक्षुकों को प्रतिस्थापित कर उनके रहने हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोलार स्थित आश्रय स्थल को भिक्षुक गृह के रुप में आरक्षित किया जाता है।

यह आदेश आम जनता को संबोधित है। चूंकि वर्तमान में मेरे समक्ष ऐसी परिस्थितियां नहीं है और न ही यह संभव है कि इस आदेश की पूर्व सूचना प्रत्येक व्यक्ति को दी जावे। सार्वजनिक प्रचार के माध्यमों, समाचार पत्रों के माध्यमों एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के माध्यम से सर्व साधारण को तामिल कराया जा रहा है। अतः यह आदेश एक पक्षीय पारित किया जाता है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 अंतर्गत धारा 163 (2) के अंतर्गत आदेश तत्काल प्रभाव से प्रभावशील होगा। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरूद्ध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत कार्यवाही की जावेगी।

यह आदेश दिनांक 03 / 02 / 2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट
Addl. Distt. Magistrate
BHOPAL

दोनों ही मामलों में गांधीनगर निवासी भगतराम प्रजापति ने कोहेफिजा थाने में लिखित में शिकायत की है। पुलिस के अनुसार, एक्टिवा और बाइक नंबरों के आधार पर कार्रवाई होगी। भीख लेने वाले, भीख मंगवाने वाले और भीख देने वाले तीनों के खिलाफ एक्शन लिया जाएगा।

भीख न मिलने पर भिखारी ने की थी बदसलूकी

बोर्ड ऑफिस ट्रैफिक सिग्नल पर 25 जनवरी को एक युवक ने राहगीर योगेंद्र भलावी से भीख मांगी। योगेंद्र ने कहा कि इतने हट्टे-कट्टे होने पर भीख मांगते हो। इस पर भिखारी ने उनसे बदसलूकी की। इसके बाद योगेंद्र थाने पहुंचे और घटना की पूरी जानकारी पुलिस को दी।

पुलिस ने भिक्षावृत्ति निषेध अधिनियम के तहत आरोपी भिखारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। पूछताछ में भिखारी ने पुलिस को बताया था कि वह कई सालों से भोपाल में भीख मांग रहा है और समय-समय पर इलाका बदलता रहता है। पुलिस अब उसका रिकॉर्ड खंगालने में लगी है। उसे नोटिस देकर छोड़ दिया गया है। कलेक्टर के आदेश के बाद भी कुछ मामलों में केस दर्ज किए जा चुके हैं।

भोपाल में आदेश लागू, न भीख ले सकते, न दे सकते

3 फरवरी को कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने भिक्षावृत्ति पर प्रतिबंध के आदेश जारी किए थे। आदेश के मुताबिक, भीख में कुछ भी देना या उनसे किसी भी तरह का सामान खरीदना आदेश का उल्लंघन करना होगा। भीख देने और लेने वाले कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इसलिए जारी करना पड़े थे आदेश

कलेक्टर सिंह ने आदेश में कहा था कि भोपाल जिले में भिक्षावृत्ति में अन्य राज्य और शहरों के लोग भी शामिल रहते हैं। इन लोगों का आपराधिक रिकॉर्ड होता है। ये नशे के भी आदि होते हैं। भीख मांगने की आड़ में वे आपराधिक गतिविधि कर देते हैं।

ट्रैफिक सिग्नल पर दुर्घटना होने की आशंका भी बनी रहती है। भिक्षावृत्ति एक सामाजिक बुराई है। सरकार ने भी इसे रोकने के लिए समय-समय पर निर्देश जारी किए हैं।

भिक्षुओं के लिए बनाया रैन बसेरा

कलेक्टर ने आदेश जारी करने के साथ ही एक रैन बसेरा भी भिक्षुओं के लिए आरक्षित किया है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोलार में रैन बसेरे में भिखारियों के लिए रहने और खाने की व्यवस्था की गई है। हालांकि, यहां पहुंचे भिखारी एक-दो दिन रुकने के बाद गायब हो गए थे।

"होली के सात रंग, सखियों के संग"का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल महिला मैत्री संघ द्वारा होली स्नेह मिलन समारोह "होली के सात रंग, सखियों के संग" का आयोजन बुधवार को सिटी लाइट स्थित अग्रसेन पैलेस के द्वारका हाल में किया गया। संघ को अध्यक्षा सविता सिंघानिया ने बताया कि इस मौके पर हॉल को होली के रंगों की थीम पर सजाया गया। आयोजन में होली के सांत रंगों से जुड़े गेम्स व डांस का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित सभी महिलाओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में महिलाओं को गिफ्ट भी दिए गए। इस मौके पर संस्था के 35 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर संस्था द्वारा किये गये सामाजिक सहायता के कार्यों के विषय में विडियो द्वारा सभी को जानकारी दी गई। आयोजन में संघ की सचिव वीना बंसल, पदमा तुलस्यान, विमल अग्रवाल, आशा अग्रवाल, चारू गोयल, बिंदु अग्रवाल सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं।

इत्र की फुहार से महकेगा श्याम दरबार

>> तीन दिवसीय फाल्गुन मेला आज से >> लाखों भक्त करेंगे बाबा का दीदार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,वीआईपी रोड स्थित श्रीश्याम मंदिर सुरतधाम में फाल्गुन माह के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय फाल्गुन मेले का आयोजन रविवार से किया जाएगा। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर इत्र की फुहार से महकेगा। तीन दिवसीय फाल्गुन मेले में लाखों भक्त बाबा का दीदार करेंगे। ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश हाकिम एवं सचिव राजेश दोदराजका ने बताया की इस अवसर पर मंदिर प्रांगण को दुल्हन की तरह सजाया गया है एवं सालासर दरबार, शिव परिवार सहित बाबा श्याम का फूलों से अद्भुत श्रृंगार किया गया है।

ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष केदारमल अग्रवाल ने बताया कि मेले में आने वाले सभी भक्तों के लिए श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा अनेकों व्यवस्थाएं की गई है। भक्तों का प्रवेश मेला ग्राउंड (नई पार्किंग) से होगा। मेला ग्राउंड में 24 लाइनों से भक्त बाबा के दर्शन हेतु आगे बढ़ेंगे। मंदिर का मुख्य द्वार निकासी० द्वार होगा। लाइन में लगे सभी भक्तों के लिए पानी, ग्लूकोज़, कूलर, इत्र फुहार, बड़ी स्क्रीन पर लाइव अपडेट आदि की व्यवस्था रहेगी।

श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा फाल्गुन उत्सव के दौरान सुबह मंदिर प्रांगण पर सूरत की अनेकों धार्मिक संस्थाओं, सोसायटियों एवं परिवारों की निशान यात्रा आएगी।

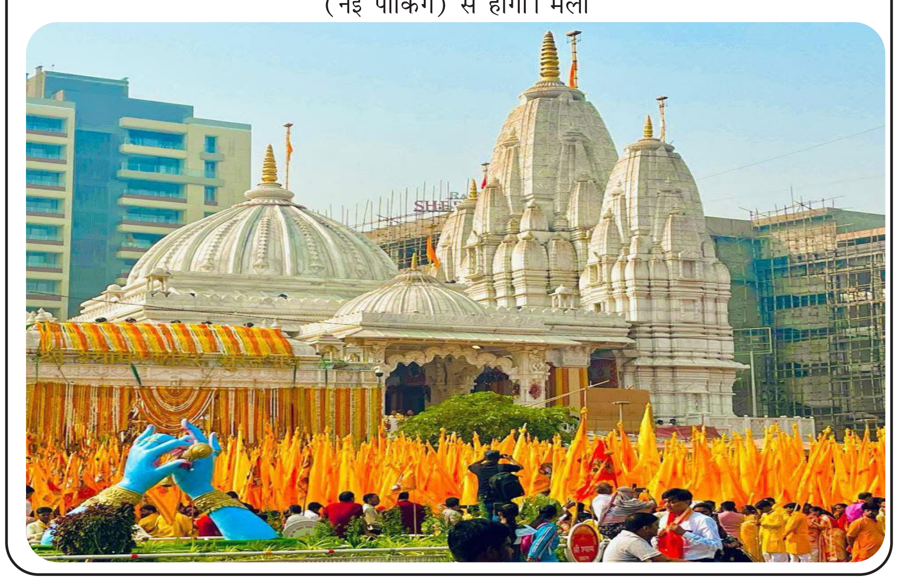

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर किया अनोखा कार्यक्रम

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,लक्ष्मीपति ग्रुप ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर एक खास कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में महिलाओं के जीवन पर चर्चा की गई एवं उनकों टिप दिए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जीसीपीबी सूरत की क्षेत्रीय अधिकारी जिग्ना ओजा उपस्थित रहीं। उन्होंने महिलाओं को अपने सपनों को पूरा करने और बड़े लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अपने जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि कठिनाइयों को पार कर के कैसे हम बड़ी सफलता पा सकते हैं। इस अवसर कंपनी की डायरेक्टर सुजाता सरावगी जी ने महिलाओं की मेहनत और नेतृत्व को सराहा साथ ही यह सुनिश्चित किया कि लक्ष्मीपति ग्रुप में सभी महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए एक सपोर्टिव वातावरण मिले। लक्ष्मीपति ग्रुप की सबसे युवा डायरेक्टर सुश्री मानसी सरावगी ने अपने सह कर्मियों के साथ मिलकर उत्सव का सफल आयोजन किया। महिला कर्मियों के साथ गेम खेले एवं मनोरंजन के अनेकों कार्यक्रम किए। इस अवसर पर लक्ष्मीपति ग्रुप की कांतादेवी सरावगी, संध्या सरावगी, सरला सरावगी, तान्या सरावगी, तेशिमा सरावगी सहित अनेकों महिलाए उपस्थित रहीं।